देश का Darpan News TV
FW FASTWAY
airtel
dish
Comming Soon
काम करने के लिए सम्पर्क करें

दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार
प्रदेश के ताजा समाचार
अपने लेख एवं समचार भेंजे
सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत
7014997449, 9636058201
Email : deshkadarpannews@gmail.com
web.: www.deshkadarpannews.co

वर्ष-4, अंक-218
जयपुर, गुरूवार, 18 सितम्बर, 2025
मूल्य : 5.00 पेज:

शिमला के रिज पर 13 अक्तूबर को होगा वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण

शिमला

हिमाचल प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रहे कांग्रेस के दिग्गज नेता स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण अब 13 अक्तूबर 2025 (सोमवार) को शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर किया जाएगा। यह जानकारी वीरभद्र सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में लोक निर्माण व शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने दी है। उल्लेखनीय है कि वीरभद्र सिंह की प्रतिमा रिज पर दौलत सिंह पार्क में स्थापित की गई है। यह प्रतिमा हिमाचल निमार्ता डॉ. वाईएस परमार की प्रतिमा के बगल में है और ऊंचाई में उससे थोड़ी छोटी है। फिलहाल इसे ढक कर रखा गया है और अनावरण के बाद ही आम लोग इसे देख पाएंगे। प्रतिमा के नीचे सफेद ग्रेनाइट से बनी मजबूत नींव को अंतिम रूप दिया गया है। शुरूआत में इस प्रतिमा का अनावरण वीरभद्र सिंह के जन्मदिवस 23 जून को किया जाना था, लेकिन उस समय प्रदेश में आई भीषण बारिश, भूस्खलन और प्राकृतिक आपदा के चलते कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। उस कठिन समय में वीरभद्र सिंह फाउंडेशन ने राहत कार्यों में सहयोग करते हुए आपदा प्रभावित बच्चों की शिक्षा के लिए 11 लाख रुपये की राशि उपायुक्त मंडी को सौंपी थी।

अब यह आयोजन 13 अक्तूबर को तय किया गया है। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मुख्य अतिथि होंगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल और अन्य विशिष्ट नेता भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी का भी स्वास्थ्य ठीक रहने पर आयोजन में आने का प्रस्ताव है। गौरतलब है कि राजधानी शिमला के रिज मैदान पर पहले से ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, हिमाचल निमार्ता व हिमाचल के पहले मुख्यमंत्री डॉ. यशवंत सिंह परमार और लेफ्टिनेंट जनरल दौलत सिंह की प्रतिमाएं स्थापित हैं। अब इस सूची में कांग्रेस के कदावर नेता और प्रदेश की राजनीति को दशकों तक दिशा देने वाले स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की प्रतिमा भी जुड़ने जा रही है।

हिमाचल-उत्तराखंड में बारिश बनी आफत

देहरादून में 18 की मौत, दिल्ली एनसीआर में अगले 3 दिनों तक भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली

पिछले कई महीनों की मूसलाधार बारिश के बाद अब मानसून उत्तर भारत से विदा लेने लगा है। मानसून की वापसी शुरू हो चुकी है। हालांकि, कुछ राज्यों को अभी भी बारिश से राहत मिलने की संभावना नहीं है। खासकर यूपी-बिहार में आज मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है। पहाड़ी राज्यों में बादल फटने, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड्स से भारी तबाही मची हुई है। पहाड़ी राज्यों को भी बारिश से जल्द ही राहत मिल जाएगी। वहीं दिल्ली समेत मैदानी इलाकों में आज तेज बारिश होने की उम्मीद है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी और तापमान में गिरावट भी दर्ज की जा सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों से मानसून ले चुका है। वहीं, देश के बाकी राज्यों में मानसून की वापसी जारी है। दिल्ली के अलावा पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में अगले 3 दिन तक तेज बारिश की संभावना है।

हिमाचल-उत्तराखंड में मची तबाही

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश ने भारी तबाही मचा रखी है। उत्तराखंड में अब तक सामान्य से 22 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की 46 घटनाएं सामने आई, जिसके कारण 140 से अधिक भूस्खलन और 97 फ्लैश फ्लड्स की घटनाएं देखी गईं। हिमाचल और उत्तराखंड में रात भर बारिश होती रही। बारिश के तेज बहाव में 5 लोगों बह गए। वहीं, देहरादून में 18 लोगों की मौत हो गई और 500 से अधिक लोगों के फंसे होने की संभावना है। दोनों राज्यों में आज भी बारिश का तांडव जारी

एनसीआर में भी बारिश के बाद तापमान कम होगा

दिल्ली एनसीआर में अगले 3 दिनों तक मौसम खुशनुमा रहने की संभावना है। दिल्ली समेत आसपास के इलाकों में घने बादल छाए रहेंगे। 19 सितंबर को दिल्ली एनसीआर के कई हिस्सों ने तेज बरसात देखने को मिल सकती है। बारिश के बाद तापमान कम होगा, जिससे मौसम भी काफी हद तक ठंडा हो जाएगा।

यूपी-बिहार में कैसा रहेगा मौसम?

उत्तर प्रदेश में मौसम विभाग ने तेज बारिश के साथ मेघगर्जन, वज्रपास और बिजली गिरने की संभावना जताई है। अगले 48 घंटों में लखनऊ समेत सूबे के 30 से ज्यादा जिलों में भारी बारिश होगी। अयोध्या, गोंडा, बाराबंकी, अमेठी, रायबरेली और सुल्तानपुर समेत आसपास के जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग ने गोपालगंज, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीवान और सारण समेत कई जगहों पर बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पटना और गया जी छोड़कर आसपास के कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है।

उत्तराखंड में लगातार मूसलाधार बारिश से तबाही, राज्य भर में 15 लोगों की मौत, 16 लापता

देहरादून

देहरादून सहित प्रदेश के कई हिस्सों में सोमवार रात से बारिश का दौर जारी है। इससे कई स्थानों पर सामान्य जन जीवन प्रभावित हुआ है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार लगातार भारी बारिश के कारण राज्य में 15 लोगों की मौत हो गई है। इनमें से देहरादून जिले में 13 लोगों की मौत हुई है और लापता 16 अन्य लोगों की तलाश जारी है। शासन और प्रशासन की ओर से राहत व बचाव अभियान युद्ध स्तर पर किया जा रहा है और लगभग 900 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है।मूसलाधार बारिश से देहरादून जिले के मालदेवता, सहस्त्रधारा, मजयाड़ा और कालीगाड़ में जानमाल का काफी नुकसान हुआ है। बारिश और भूस्खलन से सड़कों, पुलों, सरकारी और निजी परिसंपत्तियों को भारी क्षति हुई है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से कालीगाड़ में फंसे 70 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून जिले के अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों की गति तेज करने के निर्देश दिए। इस बीच, आपदाग्रस्त क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को जल्द बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने 20 सितंबर तक प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का चेतावनी दी।

पानीपत में सिख संगत में रोष: सिख जत्थों को पाक यात्रा पर रोक के फैसले की कड़ी निंदा

पानीपत

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी पानीपत ने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर सिख जत्थों को पाकिस्तान जाने से रोकने के केंद्र सरकार के फैसले पर गहरी आपत्ति जताई है। कमेटी के प्रधान सरदार मोहनजीत सिंह ने बुधवार को नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय लाखों सिखों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाता है। पाकिस्तान के ननकाना साहिब में सिखों के प्रथम गुरु नानक देव जी की जन्म स्थली होने के कारण इस अवसर पर यात्रा सिख परंपरा का अभिन्न अंग है। सरदार मोहनजीत सिंह ने कहा कि यदि सुरक्षा चिंताओं

के कारण ऐसा कदम उठाना ही था, तो सिख नेताओं से परामर्श कर सहमति से निर्णय लेना चाहिए था। सरदार मोहनजीत सिंह ने ऐतिहासिक संदर्भों का हवाला देते हुए बताया कि 1947 के विभाजन के समय ननकाना साहिब, कर्तारपुर सहित अनेक पवित्र स्थल पाकिस्तान में चले गए और लाखों सिख श्रद्धालुओं की पहुँच उन तक लगभग असम्भव हो गई। सरहदें बन्द हो गईं, पुल टूट गए और दशकों तक लोग केवल दूर से ही अरदास कर सके। इसके बाद भी परिस्थितियों ने कई बार तीर्थयात्राओं को रोका गया। मोहन जीत सिंह ने बताया कि 1965 के युद्ध के बाद जसर जैसे पुलों के टूटने से सीमापार यात्रा लगभग बन्द हो गई।

जून 2019 में लगभग 150 श्रद्धालुओं को अटारी सीमा पर सुरक्षा कारणों का हवाला देकर रोका गया। नवम्बर 2019 में खोला गया कर्तारपुर कॉरिडोर कोविड महामारी के कारण 20 माह तक बन्द रहा।

सीएम धामी ने स्वच्छ उत्सव कार्यक्रम का किया शुभारंभ, बोले-स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं

देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को स्वच्छ उत्सव-2025 कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वच्छता अभियान के तहत झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया और सभी प्रदेशवासियों से स्वच्छता की मुहिम से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि हमारे संस्कार और जीवनशैली का हिस्सा है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रदेशभर में सेवा स्वच्छता से संबंधित नियमित कार्यक्रम किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री

मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को भगवान विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं स्वच्छता की शपथ दिलाई और पौधारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वच्छता रथ का फ्लैग ऑफ किया और पर्यावरण मित्रों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता आंदोलन ने देश को नए आयाम प्रदान किए हैं। स्वच्छ उत्सव-2025 भी इसी दिशा में एक संकल्प, एक आंदोलन और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ व स्वच्छ भविष्य का वचन है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के सपने को साकार करना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा हाल ही में राष्ट्रीय वायु कार्यक्रम के तहत घोषित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में नगर निगम देहरादून को देश में 19 वां स्थान प्राप्त हुआ है।

सीएम सुक्खू ने की भारी बारिश से हुई तबाही की समीक्षा, राहत व पुनर्वास कार्य तेज करने के निर्देश

शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने राज्य में पिछले 48 घंटों के दौरान हुई भारी वर्षा से हुई तबाही की समीक्षा के लिए बुधवार को यहां बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने प्राकृतिक आपदा से हुई जान-माल की क्षति पर गहरी चिंता जताते हुए अधिकारियों को प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। पिछले दो दिनों में भारी बारिश के कारण पांच लोगों की मौत हुई है। इनमें से तीन लोग मंडी जिला के निहारी क्षेत्र और दो लोग सदर उपमंडल के पंडोह मोहाल सुमा क्षेत्र से संबंधित हैं। इसके अलावा, दो लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि सितम्बर माह में सामान्य से 136 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। पूरे मॉनसून सीजन में अब तक 45 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। इस दौरान राज्य में 417 लोगों की मौत हो चुकी है, 45 लोग लापता हैं और बारिश, बादल फटने व भूस्खलन से 4,582 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। कुल 15,022 संरचनाओं को नुकसान पहुंचा है, जिनमें 1,502 घर पूरी तरह से ढह गए हैं। वहीं, 6,467 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, 6,316 गौशालाएं और 594 दुकानें भी प्रभावित हुई हैं। सीएम सुक्खू ने उपायुक्तों को सतर्क रहने, प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और राहत व पुनर्वास कार्यों की निगरानी करने को कहा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को सेब उत्पादक क्षेत्रों में सड़क संपर्क तुरंत बहाल करने के निर्देश दिए ताकि बागवानों को नुकसान न उठाना पड़े। उन्होंने बिजली-पानी

कांग्रेस का केंद्र पर बड़ा आरोप, कहा- कर्नाटक को मांग के मुताबिक नहीं दी खाद

बंगलूरू

कांग्रेस ने कर्नाटक में उर्वरक की आपूर्ति को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त उर्वरक की आपूर्ति नहीं की है। इससे किसानों को परेशानी हो रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लिखे पत्र में सुरजेवाला ने कहा कि कर्नाटक में इस साल मानसून समय से पहले आ गया है। वर्षा सामान्य से लगभग तीन प्रतिशत अधिक रही है।

इसके परिणामस्वरूप बुवाई का मौसम उम्मीद से पहले शुरू हो गया है। वर्ष 2025-26 के लिए राज्य ने 114.40 लाख हेक्टेयर में बुवाई का लक्ष्य रखा है, जिससे 160.68 लाख टन खाद्यान्न और तिलहन का उत्पादन होगा। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन के लिए बुवाई का लक्ष्य 82.50 लाख हेक्टेयर था, जिसमें से 81.85 लाख हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है। सुरजेवाला ने कहा कि खरीफ सीजन के दौरान विभिन्न रासायनिक उर्वरकों की अनुमानित मांग 26.77 लाख मीट्रिक टन है। जबकि यूरिया उर्वरक की 3.36 लाख मीट्रिक टन की कमी है।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि राज्यों को उसकी जरूरत के अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की एकमात्र जिम्मेदारी है।

केंद्र सरकार ने तेलंगाना और बिहार में सड़क परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने तेलंगाना और बिहार में सड़क एवं पुल विकास से जुड़ी 2415.55 करोड़ रुपये से अधिक की लागत की दो परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। तेलंगाना में 34 सड़क और पुल विकास परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनकी कुल लंबाई 422.36 किलोमीटर होगी। इन योजनाओं पर 868 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य राज्य की कनेक्टिविटी और परिवहन नेटवर्क को मजबूत बनाना है। केंद्र सरकार सड़क अवसंरचना के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे तेलंगाना में समावेशी और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग-327 ई पर परससमा से अररिया तक 102.193 किलोमीटर लंबे मार्ग को पक्का शोल्डर सहित टू-लेन ब्राउनफील्ड अपग्रेडेशन कार्य के लिए 1547.55 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई है।

रोहतक में नमो वन का उद्घाटन: नड्डा और सीएम सैनी ने 10 हजार पौधे रोपकर लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

रोहतक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने हरियाणा के रोहतक में सेक्टर-2 में मियावाकी पद्धति से विकसित किए जा रहे नमो वन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली मौजूद रहे। नड्डा और सैनी ने रोहतकवासियों के साथ मिलकर नमो वन में करीब 10 हजार पौधे रोपे और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। पौधरोपण कार्यक्रम में महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों की उल्लेखनीय भागीदारी रही।पौधरोपण करते हुए पर्यावरण

प्रेमियों से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सीधा संवाद किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छ पर्यावरण में स्वस्थ जीवन की विचारधारा के साथ देश को विकसित भारत की ओर ले जाने में अग्रसर हैं, ऐसे में हम सभी का ये दायित्व बनता है कि उनकी इस साकारात्मक सोच को सार्थक करने में सभी अपनी भूमिका निभाएं।उन्होंने महिलाओं को प्रेरित किया कि वे घर की जिम्मेदारी जिस प्रकार पूरी लगन से निभा रही हैं ठीक उसी अनुरूप वे स्वयं तथा अपने परिजनों को भी पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनाने में आगे आएं और अधिक से अधिक पौधे रोपित करते हुए पर्यावरण प्रहरी बनें।हजारों की संख्या में नमो वन में पौधरोपण करने आई महिलाओं ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को आश्वस्त किया कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत बनाने की दिशा में जो कदम बढ़ाए जा रहे हैं उसमें रोहतक की महिलाओं सहित उनके परिजनों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री व मुख्यमंत्री ने नमो वन में पौधे रोपित करने के लिए पहुंचे लोगों का, विशेषकर महिलाओं व बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि संतुलित पर्यावरण बनाते हुए हम स्वस्थ जीवन की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं। नमो वन के उद्घाटन के अवसर पर राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, नगर निगम के मेयर राम अवतार बाल्मीकि, सूचना, जनसंपर्क विभाग के महानिदेशक के.मकरंद पांडुरंग, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक पंकज सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जेके लोन अस्पताल में कार्डियोथोरेसिक एवं वेस्कुलर सर्जरी इकाई प्रारंभ

अजय सिंह (चिंटू)
जयपुर -
मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बुधवार को आरयूएचएस अस्पताल परिसर में आयोजित स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के शुभारंभ समारोह में जेके लोन अस्पताल में नवनिर्मित कार्डियोथोरेसिक एवं वेस्कुलर सर्जरी इकाई का लोकार्पण किया। समारोह के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने जेके लोन अस्पताल पहुंचकर इस इकाई का अवलोकन किया।

खींवसर ने कहा कि बच्चों को हृदय रोग से सम्बंधित उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में जेके लोन अस्पताल में प्रदेश की पहली पीडियाट्रिक कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस)

इकाई प्रारंभ की गई है। यह उपलब्धि प्रदेश के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा देने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। जन्मजात एवं अर्जित हृदय रोगों से पीड़ित बच्चों के लिए यह इकाई एक जीवनदायिनी पहल सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि यह इकाई प्रदेश के बच्चों के स्वस्थ भविष्य और उनके सपनों की सुरक्षा का आधार बनेगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत इस इकाई की स्थापना की गई है। करीब 20 करोड़ रूपए से निर्मित यह इकाई अत्याधुनिक उपकरणों के साथ टर्नकी आधार पर विकसित की गई है। बाल हृदय रोगियों की देखभाल और उपचार हेतु समर्पित इस अत्याधुनिक यूनिट में एक कैथ लैब एवं एक ऑपरेशन थियेटर स्थापित है। कुल 80 बैड की क्षमता वाली इस इकाई में 5 बेड की हाई डिपेंडेंसी यूनिट, 10 बेड की इंटेंसिव केयर यूनिट एवं अतिरिक्त 65 बेड के प्री-फैब्रिकेटेड वार्ड शामिल हैं। इससे हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के उपचार के लिए अब प्रदेशवासियों को अन्य राज्यों या दूरस्थ स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि राज्य सरकार विशेषज्ञ चिकित्सकों और आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है, जिससे यह इकाई राजस्थान में तृतीयक स्तर की बाल हृदय चिकित्सा को मजबूती प्रदान करेगी। साथ ही, यह भविष्य में विशेषज्ञ डॉक्टरों के लिए प्रशिक्षण केंद्र के रूप में भी विकसित होगी।

इस अवसर पर भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव रोली सिंह, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित यादव, एसएमएस मेडिकल के कॉलेज के प्रिंसिपल दीपक माहेश्वरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद

ड़ मंडी में अपनी तैनाती के दौरान उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने वाले पंजाब पुलिस के जवान एएसआई शिंगारा सिंह को हाल ही में एसएसपी बठिंडा अमनीत कौंडल द्वारा डीजीपी कमेंडेशन डिस्क से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि शिंगारा सिंह मौड़ मंडी में ट्रैफिक इंचार्ज के पद पर कार्यरत रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित बांसवाड़ा यात्रा की तैयारियों को लेकर अहम बैठक-सभी विभाग आपसी समन्वय से तैयारियां शीघ्र करें

जयपुर, 16 सितम्बर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 25 सितम्बर को प्रस्तावित बांसवाड़ा यात्रा की तैयारियों को लेकर मंगलवार को जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अभय कुमार ने शासन सचिवालय में अहम बैठक लेकर सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री कुमार ने कहा कि सफल आयोजन के लिए आपसी समन्वय से तैयारियों को शीघ्र पूर्ण करें। उन्होंने बांसवाड़ा में वीवीआईपी व अन्य के लिए आवास व्यवस्था, सभा स्थल तक पर आमजन की आवागमन व्यवस्था, चिकित्सक दल व एम्बुलेंस व्यवस्था, निर्बाध विद्युत व पेयजल आपूर्ति, चल शौचालय सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि सड़क यात्रा के दौरान आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधाएं नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सड़क मरम्मत, सभा स्थल निर्माण, बैरिकेड्स, अग्निशमन वाहन, यातायात नियंत्रण, पार्किंग, सुरक्षा पास व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभा स्थल के हर ब्लॉक में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सभा स्थल पर खाद्य परीक्षण दलों की तैनाती, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग को आयोजन का जिलों में सीधा प्रसारण कराने के निर्देश दिए।

बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री प्रवीण गुप्ता, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री भास्कर.ए. सावंत, प्रमुख शासन सचिव श्री भवानी सिंह देथा, शासन सचिव डॉ. के.के. पाठक, श्री रवि जैन, डॉ. जोगाराम, श्रीमती शुचि त्यागी, श्रीमती अर्चना सिंह, आयुक्त पर्यटन श्रीमती रूक्मणि रियार सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, वीसी से उदयपुर संभागीय आयुक्त कुमारी प्रज्ञा केवलरमानी, उदयपुर रेंज महानिरीक्षक पुलिस श्री गौरव श्रीवास्तव, बांसवाड़ा जिला कलक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव और पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी उपस्थित थे।

'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' का हुआ शुभारंभ

जयपुर/सुमेरपुर, 17 सितंबर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़े के तहत सुमेरपुर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके तहत उप जिला चिकित्सालय, सुमेरपुर में स्थानीय विधायक व पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देशभर में महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवा और पोषण सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम है। मंत्री श्री कुमावत ने कहा कि देश में महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के इस राष्ट्रव्यापी सघन

अभियान से महिलाओं के स्वास्थ्य की प्रारंभिक पहचान, रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। यह अभियान बेहतर पोषण और स्वस्थ जीवनशैली के लिए जागरूकता की दिशा में भी बेहद महत्वपूर्ण है।

रक्तदाताओं का किया उत्साहवर्धन

मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने पीएम मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष में महावीर हॉस्पीटल में आयोजित रक्तदान शिविर में शिरकत कर उन्होंने रक्तदाताओं से आत्मीयता से मुलाकात की तथा उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने रक्तदान महादान का संदेश भी दिया। अखिल भारतीय तेरापंथ युव परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद, पाली की ओर से रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 के तहत आयोजित इस शिविर में एमबीडीडी मारवाड़ प्रभारी रोशन नाहर, संयोजक नैतिक मांडोत, परिषद के अध्यक्ष पीयूष चौपड़ा आदि मौजूद रहे।

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर भव्य रक्तदान शिविर

दांतारामगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर खाटूश्यामजी स्थित गुड़गांव धर्मशाला में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं व महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। भाजपा प्रत्याशी गजानंद कुमावत ने कहा कि आज युवाओं में रक्तदान को लेकर जबरदस्त जोश और जागरूकता देखने को मिली। उन्होंने इसे समाजसेवा की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। इस अवसर पर खाटूश्यामजी भाजपा मंडल संयोजक संजय पारीक ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और कहा कि "रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। रक्त का दान जीवनदान है।" रक्तदान, शिविर में 191 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ । शिविर में क्षेत्रभर से आए सैकड़ों युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, जिससे वातावरण देशभक्ति और सेवा-भावना से सराबोर हो उठा। इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ,पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़ ,प्रभु सिंह गोगावास,खाटूश्यामजी मंडल अध्यक्ष मुकेश रामुका ,मनीष योगी, मानवेंद्र सिंह शेखावत, मूल सिंह अलोदा, मनोज कुमावत,अनिल मारोठिया मनीषा धींगपुर, केदार मल जांगीड़ , प्रभाती लाल कुमावत, बाबूलाल बाजिया,मुकेश सैनी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अल्पसंख्यक समुदाय के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए खएएएवं ठएएळ प्रतियोगित परीक्षा की तैयारी नि:शुल्क कोचिंग कार्यक्रम का आयोजन का सुनहरा अवसर

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद

सिवान, 17 सितंबर 2025 बुधवार को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग (हज भवन कोचिंग एवं मार्गदर्शन कोषांग, पटना) द्वारा खएए (द्रंल्लर & अ्पिल्लू) एवं ठएएळ की तैयारी हेतु अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन एवं पारसी) के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क आवासीय कोचिंग कार्यक्रम 75" एवं गैर-आवासीय ऑनलाईन कोचिंग का आयोजन किया जाना है।

कार्यक्रम की विशेषताएँ निम्न है-

1. प्रवेश परीक्षा का स्तर खएए एवं ठएएळ अनुरूप
2. नियमित कक्षाएँ+ साप्ताहिक टेस्ट सीरीज
3. विशेषज्ञ शिक्षकों से मेन्टरशिप
4. निःशुल्क अध्ययन सामग्री सेवा प्रदान किया जायेगा।5. इच्छुक अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिये गये लिंक-से आवेदन कर सकते है।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रंगोली, सेल्फी, हस्ताक्षर एवं शपथ ग्रहण का आयोजन समाहरणालय परिसर में किया गया।

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद

सिवान,17 सितंबर 2025 बुधवार को समाहरणालय सिवान के प्रांगण में आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान में जिला पदाधिकारी सिवान के साथ जिला के वरीय पदाधिकारीगणों ने हिस्सा लिया। जिला पदाधिकारी महोदय के द्वारा उपस्थित मतदाताओं को मतदान देने से संबंधित शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान जिला पदाधिकारी महोदय के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बनाये गये आकर्षक रंगोली का भी अवलोकन किया गया एवं सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी भी लिया गया। मतदाता जागरूकता अभियान में जिला पदाधिकारी सिवान,अपर समाहर्ता सिवान, उप विकास आयुक्त सिवान,अपर समाहर्ता जिला लोक शिकायत निवारण, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, डीपीओ आईसीडीएस के साथ बड़ी संख्या में जिला स्तरीय पदाधिकारीगण एवं आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका उपस्थित रहीं।

किसान की जहरीले कीड़े के काटने से मौत

देश का दर्पण. दैनिक अखबार पत्रकार. राकेश कोठेनिया हलेना

भरतपुर.....नदबई उपखंड के गांव कबई में मंगलवार को खेत पर बाजरे की फसल की कटाई कर रहे एक किसान की जहरीले कीड़े के काटने से मौत हो गई। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। एएसआई खुशीराम ने बताया कि पप्पू (60) पुत्र बहादुर सिंह सुबह खेत में बाजरे की फसल काट रहे थे। इस दौरान अचानक किसी जहरीले कीड़े ने उन्हें काट लिया। परिजन आनन-फानन में पप्पू को नदबई के राजकीय जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए रखवाया। बाद में परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कर शव सुपुर्द कर दिया गया। गांव में हुई इस घटना के बाद परिजन और ग्रामीण गमगीन हैं।

सही पोषण देश रोशन"की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

देश का दर्पण. दैनिक अखबार पत्रकार.राकेश कोठेनिया हलेना

भरतपुर. जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने अष्टम पोषण रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। "सही पोषण देश रोशन".की थीम पर पोषण के प्रति जागरूकता के लिए महिला बाल विकास विभाग द्वारा शहर के प्रमुख मार्गो से होकर रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से महिलाओं, बच्चों, युवाओं को दैनिक रूप से सही पोषण लेकर स्वस्थ रहने का संदेश दिया गया।

'स्वच्छता ही सेवा' 2025 कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पदाधिकारी, सिवान डॉ आदित्य प्रकाश के द्वारा दीप प्रज्वलित कर समाहरणालय सभागार में किया गया

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद

सिवान, 17 सितंबर 2025बुधवार को स्वच्छता ही सेवा 2025 स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ जिला पदाधिकारी, सिवान डॉक्टर आदित्य प्रकाश के द्वारा दी प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में जिला पदाधिकारी महोदय ने बताया कि 'स्वच्छता ही सेवा' स्वच्छता पखवाड़ा 2017 से मनाया जा रहा है।

इस वर्ष 'स्वच्छता ही सेवा' का आयोजन दिनांक 17 सितंबर, से 2 अक्टूबर, 2025 तक किया जाएगा। जिसका थीम स्वच्छोत्सव है।

जिसमें मुख्य रूप गंदगी के छोटे-बड़े बिंदुओं (लक्षित स्वच्छता इकाइयों) को गंदगीमुक्त किया जाना है, सार्वजनिक स्थलों की सफाई का अभियान चलाया जाना है, सफाई कर्मियों के लिए सुरक्षा शिविर लगाकर उनकी स्वास्थ्य जांच, बीमा एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाना है। स्वच्छता को व्यवहार का अंग बनाने के लिए लोगों को प्रेरित करने हेतु विविध जन-जागरूकता गतिविधियों संचालन किया जाना है। स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत गतिविधियों के सफल आयोजन हेतु नगर विकास एवं आवास विभाग, नगर निकायों, पंचायती राज विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, क्ढफ्छ जीविका एवं अन्य संबंधित विभाग तथा संस्थानों, हितग्राहियों इत्यादि से सहयोग प्राप्त किया जाना है।

शस्त्रों का भौतिक सत्यापन 20 सितंबर 2025 से 04 अक्टूबर 2025 तक शास्त्रधारी अचूक रूप से करवावें-जिला दंडाधिकारी सिवान

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद

सिवान,17 सितंबर 2025 बुधवार को

आसन्न बिहार विधान सभा आम चुनाव, 2025 के मद्देनजर सीवान जिला अन्तर्गत सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के आग्नेयास्त्रों का भौतिक सत्यापन हेतु जिला शस्त्र शाखा के द्वारा दिनांक-27.05.2025 से 02.06.2025 तक तथा द्वितीय चरण में 18.08.2025 से 27.08.2025 तक निर्धारित की गई थी। इस दौरान बहुत कम अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा अपने आग्नेयास्त्रों का भौतिक सत्यापन कराया गया है। शेष बचे हुए अनुज्ञप्तिधारियों के आग्नेयास्त्रों का सत्यापन हेतु दिनांक 20/09/2025 से 04/10/2025 तक निर्धारित किया गया है। निर्धारित तिथि को अनुज्ञप्तिधारी द्वारा भौतिक सत्यापन नहीं कराया जाता है तो, आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17 (3) () में प्रदत शक्तियो का प्रयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबन / रद्द करने की कार्यवाही की जाएगी। निर्धारित तिथि को भौतिक सत्यापन हेतु नीचे अंकित पदाधिकारियों को उनके नाम के सामने अंकित थाना में प्रतिनियुक्त किया गया है। थानाध्यक्ष अपने थाना से संबंधित अनुज्ञप्तिधारी को अपने स्तर से सूचित करेगें की शस्त्रों एवं कारतूस क्रय करने की रसीद एवं कितना कारतूस ब्यय किया गया उसका साक्ष्य विवरणी के साथ शस्त्रों का भौतिक सत्यापन हेतु लेकर आएगें।

स्पीकर ने संधवान गाँव में जनसभा के दौरान लोगों की समस्याएँ सुनीं

फरीदकोट, 17 सितंबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) पंजाब विधानसभा अध्यक्ष श्री कुलतार सिंह संधवान ने आज अपने गृह गाँव संधवान में आयोजित जनसभा के दौरान क्षेत्रवासियों से मुलाकात की और उनकी शिकायतों, समस्याओं और सुझावों को सुना। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के सहयोग से हर समस्या का तुरंत और प्रभावी समाधान किया जाएगा।

श्री संधवान ने कहा कि पंजाब सरकार जन कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यक्रमों को क्रियान्वित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजनाओं का लाभ प्रत्येक लाभार्थी तक पहुँचे। उन्होंने कहा कि जनसभा कार्यक्रमों के माध्यम से सीधे संवाद के माध्यम से लोगों की वास्तविक समस्याओं की पहचान की जाती है और फिर उनका त्वरित समाधान किया जा सकता है।

क्षेत्र के लोगों से बातचीत के दौरान, अध्यक्ष ने स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा, कृषि समस्याओं, बिजली आपूर्ति, सड़क मरम्मत और अन्य मुद्दों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों को लोगों की जायज मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। स. संधवान ने लोगों से अपील की कि वे लोक मिलनी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक भाग लें और अपनी समस्याएँ/सुझाव साझा करें ताकि सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उन्हें समय पर मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने स. संधवान का धन्यवाद किया और कहा कि लोक मिलनी जैसी गतिविधियाँ लोगों का सरकार पर विश्वास और मजबूत करती हैं।

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने लालरू मंडी में धान की खरीद शुरू की

लालरू (एस.ए.एस. नगर), 16 सितंबरः (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा)

डेराबासी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने आज लालरू मंडी में धान की खरीद शुरू की, जिससे जिले में खरीफ विपणन सत्र 2025 की औपचारिक शुरूआत हुई।

किसान बलविंदर सिंह और दविंदर सिंह अपनी फसल बेचने वाले पहले किसान बने, जिनकी फसल पनग्रेन ने 2,389 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी।

किसानों और आढ़तियों को फसल सत्र की सफल शुरूआत पर बधाई देते हुए, विधायक रंधावा ने कहा कि खरीद पिछले वर्षों की तुलना में पहले शुरू हो गई है ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए अधिक दिन मिल सकें। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे फसल पूरी तरह पकने पर ही कटाई करें ताकि 17 प्रतिशत की निर्धारित सीमा से अधिक नमी की मात्रा से बचा जा सके। उन्होंने मंडियों में केवल सूखा धान लाने और पराली को जलाए बिना, उसका जिम्मेदारी से प्रबंधन करने की भी अपील की।

किसानों को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए, उन्होंने कहा कि जिला और स्थानीय प्रशासन, मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार, सुचारू खरीद सत्र सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस अवसर पर एसडीएम डेराबस्सी अमित गुप्ता, कमीशन एजेंट, मार्केट कमेटी के कर्मचारी, खरीद एजेंसी के प्रतिनिधि और किसान भी उपस्थित थे।

कमांड हॉस्पिटल पुणे के बाद, एम्स मोहाली भारत का एकमात्र सरकारी मेडिकल कॉलेज बना, जिसे स्तनपान-अनुकूल अस्पताल के रूप में मान्यता मिली

एसएएस नगर, 16 सितंबरः (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा)

डॉ. बी.आर. अंबेडकर राज्य आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), मोहाली ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह देश का एकमात्र सरकारी मेडिकल कॉलेज बन गया है, जिसे कमांड हॉस्पिटल पुणे के बाद, शिशु-अनुकूल अस्पताल पहल (बीएफएचआई) के तहत स्तनपान-अनुकूल अस्पताल के रूप में मान्यता मिली है।

विवरण देते हुए, निदेशक-प्रधान डॉ. भवनीत भारती ने बताया,

देश भर में मान्यता प्राप्त कुल 71 सुविधाओं में से लगभग 50 प्रतिशत (39) सशस्त्र बलों की सुविधाएँ हैं, जबकि सरकारी सुविधाओं को मान्यता देने वाले राज्यों में तेलंगाना सबसे आगे है। कुछ निजी मेडिकल कॉलेजों ने भी यह मान्यता प्राप्त की है, लेकिन एम्स मोहाली मान्यता प्राप्त एकमात्र राज्य सरकार का मेडिकल कॉलेज है।

यह मान्यता ब्रेस्टफीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया (बीपीएनआई) द्वारा प्रदान की गई, जो बीएफएचआई मूल्यांकन करने के लिए अधिकृत राष्ट्रीय एजेंसी है। बीपीएनआई के केंद्रीय समन्वयक और भारत में स्तनपान एवं बाल स्वास्थ्य के एक उत्साही समर्थक डॉ. अरुण गुप्ता ने देश भर में स्तनपान की सुरक्षा, संवर्धन और समर्थन के आंदोलन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व ने यह सुनिश्चित किया है कि भारत की मान्यता प्रक्रिया में अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन किया जाए। 5 अगस्त, 2025 को ऑन-साइट निरीक्षण का नेतृत्व डॉ. राजिंदर गुलाटी, एमडी, एफआईएपी, बाल रोग विशेषज्ञ, प्रमाणित स्तनपान सलाहकार, आईवाईसीएफ राष्ट्रीय प्रशिक्षक, बाल स्वास्थ्य अधिवक्ता और ह्यूमन मिल्क बैंक एसोसिएशन ऑफ इंडिया (2022 और 2023) के अध्यक्ष ने किया, जिन्होंने सफल स्तनपान के दस चरणों को लागू करने में एआईएमएस मोहाली के डॉक्टरों, पैरामेडिक्स और सहायक कर्मचारियों की टीम की उत्कृष्ट प्रतिबद्धता की सराहना की।

यह मान्यता एआईएमएस मोहाली की निदेशक, प्रो. (डॉ.) भवनीत भारती के दृष्टिकोण और नेतृत्व को भी दशार्ती है, जिन्होंने रोटरी क्लब के सहयोग से पंजाब का पहला मानव दूध बैंक - अशनीर मिल्क बैंक - स्थापित किया था।

बरोट-बंदराना स्कूल के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हासिल की बड़ी सफलता

कैथल (कृष्ण प्रजापति): शहीद विकास भारद्वाज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बरोट-बंदराना के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के एन.एस.क्यू.एफ. स्किल (आई.टी. एवं एग्रीकल्चर) के अंतर्गत विद्यार्थियों ने उद्यमिता विषय पर आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया। यह प्रतियोगिता 16 सितम्बर को सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कैथल में जिला उपायुक्त प्रीति, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला उच्च शिक्षा अधिकारी एवं जिला युवा समन्वयक अधिकारी की देखरेख में सम्पन्न हुई। इसमें जिले के प्रत्येक विद्यालय से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया था। प्रतियोगिता में जिले के सभी विद्यालयों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा रही। मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार एचसीएस अधिकारी ने बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।सामान्यतः किसी एक विद्यालय का एक भी स्थान पाना कठिन होता है, वहीं शहीद विकास भारद्वाज विद्यालय ने दो अलग-अलग प्रतियोगिताओं में उपलब्धि हासिल कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।सिवानी पुत्री अमरीक सिंह (कक्षा 12वीं नॉन-मेडिकल, आई.टी.) ने स्लोगन मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर 3100 रुपए का नगद पुरस्कार जीता। काजल पुत्री नरसी राम (कक्षा 12वीं नॉन-मेडिकल, आई.टी.) ने बिजनेस आइडिया प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर 1100 रुपए का पुरस्कार प्राप्त किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह विद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी मेहनत और लगन से न केवल स्वयं को बल्कि पूरे विद्यालय को गौरवान्वित कर रहे हैं। विद्यालय के एन.एस.क्यू.एफ. आई.टी. स्किल शिक्षक विवेक बंसल ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के निरंतर अभ्यास, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी भी किसी से कम नहीं हैं और भविष्य में भी उन्हें नई-नई प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा। वहीं एन.एस.क्यू.एफ. एग्रीकल्चर स्किल शिक्षक अर्जुन सिंह ने कहा कि मेहनत और लगन से किया गया प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाता। विद्यार्थियों की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा स्रोत है। विद्यालय के विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर पूरे गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस मौके पर स्कूल की ओर से राजेंद्र सिंह पीजीटी इंग्लिश, मोनिका आर्ट एंड क्राफ्ट टीचर भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

1st जयपुर चेस क्लब ओपन रैपिड चेस टूनार्मेंट के पोस्टर का विमोचन

टूनार्मेंट निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि इस अवसर पर जयपुर शहर की सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, सवाई माधोपुर विधानसभा प्रभारी श्री प्रणवेंद्र शर्मा, तथा मानसरोवर मंडल अध्यक्ष श्री विपिन सिंगल सहित अनेक गणमान्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। टूनार्मेंट को-ऑर्डिनेटर जिनेश कुमार जैन ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन रविवार, 28 सितंबर 2025 को नव भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, स्वेज फार्म, जयपुर में किया जाएगा। यह प्रतियोगिता जयपुर चेस क्लब द्वारा आयोजित की जा रही है। इस टूनार्मेंट में 21,000 रुपये से अधिक नकद पुरस्कार, 31 ट्रॉफियाँ एवं मेडल प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता में अंडर-7 से लेकर वेटरन वर्ग तक विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

जिनेश कुमार जैन ने विशेष रूप से यह भी बताया कि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रवेश शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी, जिससे अधिक से अधिक प्रतिभावान विद्यार्थी इसमें भाग ले सकें। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजन से बच्चों और युवाओं में बौद्धिक विकास के साथ-साथ खेलों के प्रति उत्साह भी बढ़ता है

बृहद सफाई अभियान चलाकर मनाया गया

धौलपुर आज मरैना मंडल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन मंडल अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा ने अपने सभी कार्यकताओं के साथ बाबा प्रीतमगिरि मंदिर पर सेवा पखवाड़ा के बैनरतले बृहद सफाई अभियान चलाकर मनाया गया सफाई कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष राम किशोर शर्मा ने कहा स्वस्थ मानसिकता और स्वस्थ शरीर सफाई में ही जन्म लेती है इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को और आम आदमी को सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए हम अपने आस-पास भी अगर सफाई करते रहेंगे तो कई बीमारियों से बचा जा सकता है.. मोदी जी के जन्मदिन कार्यक्रम में मंदिर के मुख्य पुजारी श्री प्रभु जी सभी कार्यकताओं को आशीर्वाद देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की लंबी उम्र की कामना की सफाई अभियान में मंडल प्रभारी प्रदीप सिसोदिया मंडल महामंत्री गजेंद्र सिंह परमार और वासुदेव शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष नीरज त्यागी और ऋषि शर्मा, मंडल मंत्री सत्य प्रकाश त्यागी, दिनेश कुमार लोधा, वरिष्ठ कार्यकर्ता रामनिवास शर्मा उमा भारती, महावीर त्यागी, होरीलाल परमार,आनंद शर्मा व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने संघ के वरिष्ठ प्रचारक ओम प्रकाश सिसोदिया के पिता श्री के निधन पर आगरा, पहुँचकर शोक व्यक्त कर, पुष्पांजलि अर्पित की।

आगरा उत्तरप्रदेश 17 सितंबर:-- मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष एवं भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने आज ग्वालियर से चलकर आगरा उत्तर प्रदेश में पहुंचे जहां राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मध्य भारत प्रांत प्रचारक श्री ओम प्रकाश सिसोदिया जी के पूज्य पिताजी के स्वर्गवास उपरांत आज उत्तरप्रदेश राज्य के आगरा महानगर के अंतर्गत ग्राम बाकंदा (किरावली) में पहुँच कर सर्वप्रथम स्वर्गीय श्री सिसोदिया के पिता श्री की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

निवास स्थान पर मौजूद श्री ओम प्रकाश सिसोदिया एवं उनके परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना के साथ ढांढस बधांया ।

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ मुरैना लोकसभा के सांसद शिव मंगल सिंह तोमर ,मुरैना जिला भाजपा अध्यक्ष कमलेश कुशवाहा, मुरैना भाजपा जिला के पूर्व अध्यक्ष योगेश पाल गुप्ता, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक जैन, भाजपा नेता जगदीश पाठक, श्रीमती मधु दंडोतिया, मुरैना युवा मोर्चा अध्यक्ष सोनू परमार, सहित मुरैना, धौलपुर, के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 19 सितंबर बारां दौरे पर, प्रशासन ने की तैयारियां शुरू

संवाददाता -सुमरन सिंह ,बारां

बारां, 17 सितम्बर। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के 19 सितंबर को बारां की प्रस्तावित यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां प्रारम्भ कर दी है। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने मुख्यमंत्री के यात्रा कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बुधवार को मिनी सचिवालय के17 सभा कक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रवास के दौरान सभी विभागों के अधिकारी मुस्तैदी के साथ अपने दायित्वों को पूरा करें। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर हेलीपेड, बेरीकेटिंग, स्टेज, विद्युत व्यवस्था, साउण्ड सिस्टम, सुरक्षा, पेयजल, पार्किंग, चिकित्सा सुविधा, साफ सफाई, सड़क दुरुस्तीकरण सहित सभी आवश्यक कार्यों के संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में एडीएम दिवांशु शर्मा, सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, एडीएम शाहबाद जबर सिंह सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक से पूर्व जिला कलक्टर तोमर ने कार्यक्रम स्थल कृषि उपज मंडी प्रांगण का जायजा लिया

हजवाना की तन्नू जांगड़ा ने राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में जीता

कैथल (कृष्ण प्रजापति): **कोणार्क अकादमी, लाडवा (कुरुक्षेत्र) में आयो**जित 58वीं राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता 2025-26 (16 से 18 सितम्बर) में गवर्नमेंट हाई स्कूल, हजवाना की छात्रा तनु जांगड़ा (कक्षा 8वीं) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14 आयु वर्ग, 23 कि.ग्रा. भारवर्ग में स्वर्ण पदक हासिल कर क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया। तनु जांगड़ा के पिता का नाम सतबीर सिंह कारपेंटर हैं। इस अवसर पर विद्यालय के हैड मास्टर सुरेन्द्र कुमार, पी.टी.आई. मनोज कुमार, कोच हरजीत सिंह, सरपंच शालू, प्रतिनिधि सुरेंद्र कुमार सहित समस्त स्टाफ ने छात्रा की उपलब्धि पर खुशी जताई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा चाइल्ड डेवलपमेंट काउंसिल की उपाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने शिरकत की और विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जूडो जैसे खेल न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ाते हैं बल्कि अनुशासन और आत्मविश्वास भी विकसित करते हैं। छात्रा तनु जांगड़ा की इस उपलब्धि से हजवाना गांव और विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। तन्नू अब नेशनल लेवल पर खेलेगी। तन्नू के पिता ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि उनकी बेटी राष्ट्रीय स्तर पर भी गोल्ड मेडल जीतकर नाम रोशन करेगी।

नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि: सिख जत्थों पर रोक का निर्णय उचित

कैथल (कृष्ण प्रजापति): गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर सिख जत्थों को पाकिस्तान जाने की अनुमति न देने के केंद्र सरकार के निर्णय ने राजनीतिक हलकों में गहन बहस छेड़ दी है। कुछ लोग इसे धार्मिक स्वतंत्रता से जोड़कर देख रहे हैं, लेकिन यदि इतिहास और मौजूदा हालात पर नजर डालें तो यह कदम न तो नया है और न ही किसी समुदाय के खिलाफ। यह निर्णय वस्तुतः श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का प्रतीक है।

विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों की यात्रा कभी आसान नहीं रही। विभाजन के बाद लाखों श्रद्धालुओं की पवित्र स्थलों तक पहुँच लगभग असंभव हो गई। 1965 के युद्ध के बाद सीमापार यात्राएं रुक गईं। हाल के वर्षों में भी कई बार सुरक्षा कारणों से जत्थों को रोका गया जून 2019 में अटारी सीमा पर लगभग 150 श्रद्धालुओं को रोकना पड़ा, कोविड महामारी के दौरान कॉरिडोर लंबे समय तक बंद रहा और मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के बाद जत्थों को वापस लौटना पड़ा।

पाकिस्तान का रवैया भी सवालों के घेरे में रहा है। एक ओर वह सिख धरोहर का रक्षक होने का दावा करता है, वहीं दूसरी ओर अपने ही अल्पसंख्यकों के साथ अमानवीय व्यवहार करता है। भारत से जाने वाले जत्थों को अक्सर खालिस्तानी एजेंडे का सामना करना पड़ा है, जो आस्था से अधिक राजनीतिक चाल है। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसे माहौल में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को पाकिस्तान भेजना सुरक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ होता। सिख समाज का राष्ट्र की एकता और रक्षा में सदैव अग्रणी योगदान रहा है। यह समुदाय भलीभांति समझता है कि राज्य का पहला कर्तव्य नागरिकों की सुरक्षा है। सरकार का यह निर्णय न तो आस्था पर रोक है और न ही किसी विशेष वर्ग के खिलाफ, बल्कि यह जिम्मेदारी और सुरक्षा की आवश्यकता से प्रेरित कदम है

जनवादी महिला समिति हिसार ने मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को सौपा ज्ञापन

हिसार ,दिनेश महता

आज जनवादी महिला समिति हिसार की जिला कमेटी उपायुक्त से मिलकर मुख्यमन्त्री हरियाणा को ज्ञापन भेज कर मुख्य मांगों की तरफ ध्यान देने की अपील की जो कि निम्न लिखित है

आप जानते हैं दशहरा और दीपावली नजदीक हैं। त्योहार के इस समय को हर परिवार खुशी और उत्साह के साथ मनाना चाहता है। परंतु गरीब परिवारों के लिए यह बेहद मुश्किल समय होता है। एक तरफ लगातार बढ़ती मंहगाई से खाने-पीने की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं दुसरी तरफ सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सिकोड़ा जा रहा है। पिछले दिनों लाखों परिवारों के बीपीएल राशन कार्ड काट दिए गए जिनमें बहुत से प्रभावित परिवार काफी गरीब हैं। फैमिली आईडी में इतना फजीर्वाड़ा है कि परिवारों की आमदनी अनाप-शनाप दिखाई हुई हैं और ऐसी-ऐसी चीजें आईडी में जोड़ी गई हैं जो परिवार के पास हैं ही नहीं। फैमिली आईडी बार-बार चक्कर काटने से भी ठीक नहीं हो रही। राशन डिपो पर मिलने वाली वस्तुओं की संख्या, मात्रा और गुणवत्ता तीनों में ही कटौती है। केवल अनाज, तेल व चीनी मिलता है। चीनी गीली होती है और सरसों के तेल के दाम बढ़ा दिए गए हैं। ऐसे में गरीब परिवारों के लिए खुशी-खुशी त्योहार मनाना मुश्किल होता है। अतः अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति आपसे मांग करती है कि:-

1. अक्टूबर माह में आने वाले त्योहारों के मौके पर जैसे राशन डिपो के माध्यम से अतिरिक्त राशन जैसे सूजी, चीनी, घी, चावल, दाल, सरसों का तेल, मसाले, अनाज आदि दिए जाएं।इस महीने का राशन तुरंत बाँटा जाए
2. फैमिली आईडी के नाम पर गरीब परिवारों के काटे गए बीपीएल कार्ड दोबारा बनाएं

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय तहनाल गेट शाहपुरा में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत दिन का शुभारंभ

सुरज वर्मा

शाहपुरा शहर में प्रार्थना सभा के पश्चात वृक्षारोपण करके किया गया जिसमें महिला अभिभावकों की उपस्थिति रही इसी के साथ विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों द्वारा रीड ए थान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्रखर राजस्थान 2.0 की गतिविधियां आयोजित करवाई गई तत्पश्चात अध्यापक अभिभावक बैठक (मेगा पीटीएम)का आयोजन भी किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं की शैक्षिक सहशैक्षिक गतिविधियों के बारे में अभिभावकों से विचार विमर्श किया गया तथा प्रखर राजस्थान 2.0 के तहत विद्यालय में करवाई गई अब तक की गतिविधियों से अवगत करवाया गया विद्यालय प्राचार्य श्रीमती सुमन कुमारी ने बताया कि अभिभावकों का सहयोग ही छात्र-छात्रा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा अभिभावकों से आग्रह किया कि आप समय-समय पर पधार कर विद्यालय को इसी प्रकार सहयोग प्रदान करते रहे कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के सदस्य सूर्य प्रकाश शर्मा ,दिनेश कुमार सेन, अनीता शर्मा ,महेश कुमार व्यास , कमला खारोल ,रुक्मणी जोशी, प्रतिभा सोलंकी, हंसा हाडा, शकुंतला मीना, चंद्रकला टॉक , प्रेम देवी मीणा ,अभिभावक नारायण लाल बेरवा, छोटू लाल कहार ,जगदीश चंद्र बैरवा, नरेश व्यास, समीना बानू, प्रेम देवी, रेखा देवी कुम्हार, भंवरी देवी आदि उपस्थित रहे 1

ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने श्रीनाथपुरम स्टेडियम में नरेंद्र मोदी जी का 75वां जन्मदिन मनाया।

देश का दर्पण

संवाददाता सुरेश कुमार पटेरिया

कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार और बच्चों ने इस अवसर को यादगार बनाया। कोटा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का 75वां जन्मदिन बड़े ही उत्साह और जोश के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन के बच्चों ने ताइक्वांडो प्रदर्शन कर जन्मदिन की खुशियां साझा कीं।एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन देशभर में प्रेरणा का संदेश देता है। इसी कड़ी में बच्चों के साथ मिठाई बांटकर जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम में खेल अधिकारी वाई.बी. सिंह तथा एसोसिएशन के सभी कोच मौजूद रहे और उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। छोटे-छोटे खिलाड़ियों ने पूरे जोश के साथ भाग लेकर प्रधानमंत्री के जन्मदिन को खास बना दिया।कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन

हिसार शहर बना सुरंगो का शहर : महेशवाल

आम आदमी पार्टी डीएनटी विंग के प्रदेश अध्यक्ष भीम सिंह महेशवाल ने जारी बयान में बताया कि हरियाणा प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर जी के कार्यकाल में हिसार बस स्टैंड के पिछले एरिया वाली दीवार बनी थी चीन की दीवार ' आप नेता महेशवाल ने आगे बताया कि मौजूदा भाजपा नायब सिंह सैनी सरकार में पिछले महीने बस स्टैंड के गेट को खोलकर चंडीगढ़ दिल्ली राजस्थान अन्य हजारों प्राइवेट सरकारी सभी तरह की बसो का आना जाना आरंभ किया गया है महेशवाल आगे बताया कि जिस रोड पर बसो में हर रोज लाखों की संख्या में यात्री यात्रा कर रहे हैं उसे रोड मैं ही सुरंग ही सुरंग बनी हुई है जो दुर्घटना को आमंत्रित कर रही हैं सुरंग भी इतनी बड़ी है जिसमें पुरी की पूरी बस समा जाए फिर भी हरियाणा सरकार में बैठे मंत्री और हिसार प्रशासन दुर्घटना का इंतजार कर रहा है जब कोई बड़ी दुर्घटना होगी लगता है फिर प्रशासन इन सुरंगो पर काम करेगा ' आम आदमी पार्टी नेता भीम सिंह महेशवाल ने सरकार की पोल खोलते हुए बताया कि हिसार शहर में इस तरह की सैकड़ो सुरंगे बनी हुई है जो आए दिन हिसार की आम जनता दुर्घटना का शिकार होती रहती है

महेशवाल ने आगे बताया कि बस स्टैंड के पिछले क्षेत्र की हिसार प्रशासन और सरकार ने सुध नहीं तो आम आदमी पार्टी के सभी नेता व कार्यकताओं के साथ मिलकर हिसार जिला उप'युक्त जी के माध्यम से हरियाणा मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन सोएंगे '

पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता और पारदर्शिता पर रहा जोर:- डीजीपी ने जोधपुर में की अपराध समीक्षा बैठक

देश का दर्पण न्यूज

संवाददाता सुरेन्द्र कुमार सोनी

महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा ने आज जोधपुर पुलिस आयुक्तालय का दौरा किया और यहां पुलिस अधिकारियों के साथ एक विस्तृत अपराध समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में पुलिस आयुक्त, उपायुक्तों और सभी

थानाधिकारियों समेत तमाम वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आयुक्तालय में दर्ज आपराधिक मामलों की स्थिति, चुनौतियों और पुलिस द्वारा अपनाए जा रहे नवाचारों की गहन समीक्षा करना था। डीजीपी श्री शर्मा ने बैठक में कई अहम पहलुओं पर जोर दिया। उन्होंने प्रकरणों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी अनुसंधान पर जोर देते हुए पीड़ित के प्रति संवेदनशीलता पूर्वक त्वरित राहत प्रदान करने की दिशा में अनुसंधानिक कार्यवाही करने और नवीन आपराधिक कानूनों की सम्पूर्ण जानकारी रखते हुए इसके अन्तर्गत प्रभावी विधिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर मामले खासकर महिला अपराधों पोक्सो, बलात्कार और एससी और एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों में निष्पक्षता और पारदर्शिता से जांच की जाए। उन्होंने केस ऑफिसर स्कीम को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी जोर दिया ताकि महत्वपूर्ण मामलों में त्वरित कार्रवाई हो सके। बैठक के दौरान डीजीपी ने पुलिस की गश्त बढ़ाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि दिन और रात की गश्त को मजबूत किया जाए ताकि आम जनता में सुरक्षा की भावना बढ़े। इसके अलावा उन्होंने वांछित अपराधियों जैसे कि घोषित अपराधी, मफरूर और स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी में तेजी लाने का निर्देश दिया। साइबर अपराधों को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई और कहा कि पीड़ितों को तत्काल राहत प्रदान की जाए और आम जनता को ऐसे अपराधों के प्रति जागरूक किया जाए। डीजीपी ने इस बात पर भी जोर दिया कि एक साल से अधिक समय से लंबित पड़े मामलों का जल्द से जल्द निपटारा किया जाए। उन्होंने मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए किंगपिन और सप्लायर्स की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया। साथ ही उन्होंने पुलिस स्वागत कक्षों का सही उपयोग सुनिश्चित करने और किराएदारों, घरेलू नौकरों का अनिवार्य चरित्र सत्यापन कराने की बात कही।

बाबा फरीद शैक्षणिक एवं धार्मिक सोसाइटियों ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 51 लाख रुपये का योगदान दिया

फरीदकोट, 17 सितंबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा)

बाबा फरीद संस्थाओं, टिल्ला बाबा फरीद धार्मिक एवं धर्मार्थ सोसाइटी (पंजीकृत) और गुरुद्वारा गोदरी साहिब बाबा फरीद सोसाइटी ने बाबा फरीद के आगमन के अवसर पर मुख्यमंत्री राहत कोष में 51 लाख रुपये और रेड क्रॉस सोसाइटी की उपायुक्त श्रीमती पूनमदीप कौर को 2 लाख रुपये सौंपे।

उपायुक्त श्रीमती पूनमदीप कौर ने कहा कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व के सिद्धांतों का पालन करते हुए संस्थाओं ने इस नेक कार्य में समुचित योगदान दिया है और इसके अलावा, यह योगदान इस बात का प्रतीक है कि बाबा फरीद शैक्षणिक एवं धार्मिक सोसाइटियाँ हमेशा गरीबों, पीड़ितों और जरूरतमंदों के साथ खड़ी हैं। ये संस्थाएँ निस्वार्थ सेवा, मानवता के कल्याण और अच्छे कार्यों के माध्यम से ईश्वर की सेवा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस अवसर पर संस्थाओं के अध्यक्ष स. सिमरजीत सिंह सेखों, स. चरणजीत सिंह सेखों, स. दीपिंदर सिंह सेखों, स. गुरजाप सिंह सेखों, स. सुरिंदर सिंह रोमाना, डॉ. गुरिंदर मोहन सिंह और स. कुलजीत सिंह मौगियां बराड़ सदस्य भी उपस्थित थे।

सही पोषण देश रोशन"की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

देश का दर्पण. दैनिक अखबार पत्रकार.राकेश कोठेनिया हलेना

भरतपुर. जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने अष्टम पोषण रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। "सही पोषण देश रोशन".की थीम पर पोषण के प्रति जागरूकता के लिए महिला बाल विकास विभाग द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से महिलाओं, बच्चों, युवाओं को दैनिक रूप से सही पोषण लेकर स्वस्थ रहने का संदेश दिया गया। महिला बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकताओं, महिला सुपरवाइजर ने रैली में भाग लेकर सही पोषण देश रोशन, सही पोषण पाएंगे स्वस्थ रहेंगे के नारे लगाते हुए आम लोगों को जागरूक किया गया।

बारहठ महाविद्यालय में नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर एवं नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम

सुरज वर्मा

शाहपुरा जिला मुख्यालय स्थित श्री प्र.सिं.बा. राजकीय महाविद्यालय शाहपुरा में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में राजस्थान राज्य महिला नीति की गतिविधियों के अंतर्गत निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर एवं नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. पुष्कर राज मीणा ने की।

शिविर में जिला चिकित्सालय शाहपुरा की टीम द्वारा विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण किया गया। नेत्र सहायक पुण्डरीकाक्ष सोनी ने विद्यार्थियों को समय-समय पर नेत्र परीक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए नेत्र स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया। उन्होंने नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए इसकी प्रक्रिया, लाभ एवं महत्त्व को विस्तार से बताया और उपस्थित सभी को नेत्रदान की शपथ भी दिलवाई।प्रो. मूलचंद खटीक ने कहा कि इस प्रकार के शिविर विद्यार्थियों में जागरूकता लाते हैं। भारत में बड़ी संख्या में लोग नेत्रहीनता से पीड़ित हैं और नेत्रदान के माध्यम से उनकी दृष्टि वापस लाई जा सकती है। यह परोपकार का सर्वोत्तम रूप है।अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. पुष्कर राज मीणा ने विद्यार्थियों को नेत्र स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने नेत्रदान को ह्यमहादानह्ल बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला।महिला प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. ऋचा अंगिरा ने मंच संचालन करते हुए छात्राओं को शिविर से अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सभी संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।शिविर के सफल आयोजन में समीर, गोपाल सिंह भाटी, रवि कोली, भारत सिंह, युसुफ खान कायमखानी एवं अवतार सिंह ने सहयोग दिया। अंत में श्रीमती नेहा जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शिव मंदिर के दान पात्र से 15 हजार चोरी, मोहल्लेवासियों में आक्रोश

सुरज वर्मा

शाहपुरा जिला मुख्यालय में बारी मोहल्ला वार्ड नंबर 27 स्थित शिव मंदिर के दान पात्र से बीती रात अज्ञात चोरों ने करीब ?15,000 की नकदी चोरी कर ली। मंदिर समिति की ओर से घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच का आश्वासन दिया।इस घटना से पूरे मोहल्ले में आक्रोश का माहौल है। मौके पर सत्यपाल सिंह सिसोदिया, भगवतीलाल कुमावत, अमित कुमावत, मंजू देवी, नर्मदा देवी, बजरंग शर्मा, जसवंत सिंह आर्य, नवीन आर्य, शंभू वैष्णव सहित अनेक मोहल्लेवासी मौजूद थे। वहीं मोहन सिंह बेस, दिनेश कुमावत, राजेश कुमावत और अतुल वैष्णव ने भी इस घटना की निंदा की और शीघ्र कार्रवाई की मांग की

ग्राम सहसन के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसील पहाड़ी कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

जुरहरा, जिला डीग रेखचन्द्र भारद्वाजः बुधवार को क्षेत्र के ग्राम सहसन में ग्रामीणों के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम तहसील कार्यालय पहाड़ी में राजस्व अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर गांव से तीन किलोमीटर दूर बनाए जा रहे स्वास्थ्य केंद्र व पशु चिकित्सा केंद्र को गांव के पास बनाने की मांग की गई है। मुख्यमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम सहसन तहसील पहाड़ी में खसरा नम्बर 5436 वाके ग्राम सहसन-2 में राज्य सरकार के द्वारा राजकीय चिकित्सालय व पशु चिकित्सा केन्द्र का निर्माण किया जा रहा है उक्त खसरा नम्बर गांव की आबादी से करीब तीन किलोमीटर दूर पडता है जिससे ग्रामीणों को वहां तक पहुंचने में काफी परेशानी होगी। गांव की आबादी के पास में ही खसरा नम्बर 899 वाके सहसन-2 में सरकारी जमीन है यदि 899 खसरा नम्बर पर राजकीय चिकित्सालय व पशु चिकित्सा केन्द्र बनवाया जाए तो उससे ग्रामीणों व पशुपालकों को ज्यादा फायदा होगा। खसरा नम्बर 5436 की गांव से दूरी तीन किलोमीटर होने के कारण वहां मरीजों को आने-जाने व बीमार पशुओं को लाने-ले जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पडेगा। स्वास्थ्य केन्द्र व पशु चिकित्सा केकेंद्र को गांव से दूर बनाए जाने पर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ज्ञापन में ग्रामीणों के मुख्यमंत्री से आबादी के पास स्थित सरकारी भूमि खसरा नम्बर 899 में राजकीय चिकित्सालय व

गरीबों और बुजुर्गों के लिए 100 करोड़ का तोहफा: पंजाब सरकार ने तीर्थ यात्रा योजना

चंडीगढ़। पंजाब की मिट्टी में आस्था और त्याग का गहरा रंग है। यहाँ के लोगों ने गुरुओं की शिक्षाओं को अपने जीवन का आधार बनाया है। लेकिन कई बार, जीवन की जिम्मेदारियों और आर्थिक परेशानियों के कारण, बुजुर्गों के मन में दबी हुई एक ख्वाहिश अधूरी रह जाती थी– अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर पवित्र तीर्थस्थलों की यात्रा करना। मान सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की शुरूआत करके उनकी इस अधूरी ख्वाहिश को एक गर्व और सम्मान की यात्रा में बदल दिया है` यह योजना सिर्फ.एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सेतु है जो सरकार और आम जनता के बीच बनाया गया है। यह उन बुजुर्गों के लिए एक तोहफा है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन अपने परिवार और समाज की सेवा में समर्पित कर दिया। यह एक ऐसा प्रयास है जो लोगों के दिलों को छू रहा है। यह योजना उन लोगों के लिए एक वरदान साबित हो रही है, जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी धार्मिक आस्थाओं को पूरा नहीं कर पाते। इस योजना के पीछे सिर्फ सुविधा देना नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं का सम्मान करना भी है और उन लोगों को निःशुल्क और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव देना है जो आर्थिक कारणों से तीर्थ यात्रा नहीं कर पाते।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' की शुरूआत पंजाब की मान सरकार ने 6 नवंबर 2023 को की थी। पंजाब कैबिनेट ने 27 नवंबर से 29 फरवरी 2024 तक के लिए इस योजना को मंजूरी दी थी` इसके लिए 40 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया था इसके तहत, 27 दिसंबर 2023 को गुरु पर्व के अवसर पर पहला जत्था रवाना किया गया था। पहले चरण में लगभग 33,893 से अधिक श्रद्धालुओं को विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करवाई गई ।

अमृतसर रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा स्कीम के तहत श्री नांदेड़ साहिब के लिए पहली ट्रेन रवाना हुई थी । मुख्यमंत्री निःशुल्क तीर्थ यात्रा योजना का पहला चरण 27 नवंबर 2023 से शुरू होकर 29 फरवरी 2024 को समाप्त हुआ था` अप्रैल 2025 में, पंजाब सरकार ने योजना में बदलाव करते हुए लाभ के लिए पात्रता की उम्र 60 से घटाकर 50 साल कर दी है` इसके लिए 100 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया है। पंजाब सरकार का उद्देश्य इस योजना के जरिए 50,000 लोगों को धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाना है`

इस योजना के तहत, अलग-अलग धर्मों के लोगों को इन स्थानों की यात्रा कराई जाती है: हिंदू तीर्थस्थल: माता चिंतपूर्णी, माता वैष्णो देवी, माता ज्वाला जी, खाटू श्याम, सालासर धाम, मथुरा, वाराणसी, वृंदावन ` सिख तीर्थस्थल: श्री पटना साहिब, श्री आनंदपुर साहिब, श्री हजूर साहिब, श्री दमदमा साहिब। मुस्लिम तीर्थस्थल: जामा मस्जिद, अजमेर शरीफ।

राहत से पुनर्निर्माण तक: सोनू सूद और उनकी बहन ने बाढ़ पीड़ितों को 100 भैंसें देकर लौटाई उम्मीद

चंडीगढ़। समाजसेवी और अभिनेता सोनू सूद ने अपनी बहन मालविका सूद के साथ मिलकर पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित परिवारों को मदद के लिए 100 भैंसें दान करने का संकल्प लिया है। इस पहल का उद्देश्य बाढ़ पीड़ित परिवार को उनकी आजीविका बहाल करने में मदद करना है, जिनमें से कई ने अपने मवेशी खो दिए हैं - जो जीविका और आय का एक महत्वपूर्ण साधन है।

सोनू सूद, जो पहले भी कई आपातकालीन राहत अभियानों में सबसे आगे रहे हैं, ने इस बात पर जोर दिया कि प्राकृतिक आपदाओं के बाद किसानों और ग्रामीण परिवारों को केवल तात्कालिक सहायता नहीं, बल्कि लंबे समय तक चलने वाला सहयोग चाहिए। उन्होंने कहा: "पंजाब में कई परिवारों के लिए, पशुधन न केवल एक संपत्ति है, बल्कि उनके जीवनयापन का प्राथमिक साधन भी है।"

सोनू सूद ने वादा किया है कि "उनकी खोई हुई संपत्ति को वापस लाकर, हम उनके जीवन में स्थिरता और आशा वापस लाएँगे।" यह पहल एक बार फिर दशार्ती है कि सोनू सूद संकट के समय सिर्फ साथ खड़े नहीं होते, बल्कि लोगों के भविष्य को संवारने का प्रयास भी करते हैं। महामारी के समय प्रवासी मजदूरों की सहायता हो, या चिकित्सा व शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान – सोनू सूद की कोशिशें देशभर के लाखों लोगों के जीवन को लगातार प्रभावित किया है। उनकी बहन मालविका सूद, जो स्वयं भी सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं, इस प्रयास में उनके साथ हैं।

उन्होंने यह स्पष्ट किया कि सच्ची मदद सिर्फ तत्काल राहत नहीं होती, बल्कि दीर्घकालिक (लॉन्ग-टर्म) में निहित होती है, जो लोगों को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करने की शक्ति देती है। जैसे-जैसे पंजाब बाढ़ की त्रासदी से उबरने की कोशिश कर रहा है, सूद भाई-बहन की यह पहल यह संदेश देती है कि असल नायक वे होते हैं जो सिर्फ आज की नहीं, बल्कि कल की भी चिंता आत्मनिर्भर बनाने में विश्वास रखते हैं।

विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गया सांस्कृतिक महोत्सव

जुरहरा

जिला डीग रेखचन्द्र भारद्वाजः अखिल भारतीय विद्या भारती द्वारा संचालित स्थानीय उच्च प्राथमिक आदर्श विद्या मन्दिर स्कूल जुरहरा में बुधवार को विश्वकर्मा जयन्ती के उपलक्ष्य में संकुल स्तरीय मौखिक प्रतियोगिता, विज्ञान प्रश्न व वैदिक गणित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेन्द्र कुमार जैन, विशिष्ट अतिथि राधाकिशन दुबे व अध्यक्ष महेशचन्द्र शर्मा रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के आचार्य महेशचन्द्र के द्वारा किया गया। सांस्कृतिक महोत्सव के तहत विद्यालय में गीत, कविता, प्रश्न मंच, एकांकी, लोकगीत, पत्रवाचन व अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता के साथ अन्य

ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मदनमोहन पूर्व सरपंच ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अव्वल आने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से विद्यालय के प्रधानाचार्य बुधराम शर्मा, ताराचन्द्र सैनी, धर्मसिंह पहाडी, काजल, सोनम, भूमिका, गुंजन, भावना, राहुल साहु, सीमा, हिमांशु कौशिक व नवीन सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, तीन युवकों की मौत

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ के दीदारगंज थाना क्षेत्र में बीती रात दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। जबकि एक युवक घायल हो गया। यह दुर्घटना सूरहन मोड़ के पास तब हुई, जब दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। तेज रफ्तार के चलते यह हादसा हुआ। आसपास के लोगों ने हादसे के बाद घायलों को उपचार के लिए एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा।

मंगलवार की देर रात सूरहन मोड़ के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों बाइकों की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर की आवाज दूर तक सुनाई दी। दुर्घटना के बाद बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुँचे और घायलों को अस्पताल पहुँचाया। जहाँ डॉक्टरों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान मोहम्मद सैफ (16 वर्ष) पुत्र बेचू और कसरू (17 वर्ष)

प्रयागराज में ट्रक की टक्कर से एक युवक की मौत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित कीडगंज थाना क्षेत्र में फ्लाइ ओवर के समीप मंगलवार की रात मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई। हादसे उसके साथी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

अपर पुलिस उपायुक्त नगर अभिजीत कुमार ने बताया कि शहर के खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के अटालाा निवासी जिशान अपने दोस्त सलमान एवं सौद के साथ मोटरसाइकिल से मंगलवार की रात कहीं से घर जा थे। कीडगंज थाना क्षेत्र में स्थित बांगड़ धर्मशाला के पास बेकाबू ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीनों घायल हो गए।

गौवध आरोपितों से पुलिस की मुठभेड़, पैर में गोली लगने से चार घायल समेत 5 गिरफ्तार

मुरादाबाद। प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के दो थाना क्षेत्र में बीती देर रात्रि गोवंशीय पशुओं के हत्यारोपितों के साथ पुलिस की अलग-अलग स्थानों पर मुठभेड़ हुई। जिसमें पांच आरोपित गिरफ्तार किए गए हैं। इसमें से चार आरोपितों के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने बताया कि गौवंशीय पशुओं की हत्या में वांछित आरोपितों की तलाश में पुलिस टीमें लगातार सक्रिय हैं और उनके विरुद्ध अभियान चला रही हैं। मंगलवार देर रात्रि एक बजे के लगभग थाना पकबाड़ा क्षेत्र और थाना भोजपुर क्षेत्र में पुलिस थानों की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान दोनों थाना क्षेत्र में कुछ संदिग्ध लोग दिखाई दिए जिन्हें रोकने व पकड़ने का प्रयास किया गया तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग की। आत्मरक्षा के बचाव में पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों स्थानों पर दो-दो आरोपित पैर में गोली लगने से घायल हो गए जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया वहीं थाना भोजपुर क्षेत्र में एक आरोपित चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। यह सभी प्रतिबंधित गोवंशीय पशुओं को खरीदकर लाते आते हैं, उनकी हत्या करते हैं और फिर उनके अवशेषों को विभिन्न तरीकों से ठिकाने लगते हैं।

एसएसपी ने आगे बताया कि थाना पकबाड़ा क्षेत्र में गोवंशीय पशुओं के हत्यारोपित सद्दाम और कल्लू को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपितों पैर में गोली लगने से घायल हुए हैं जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा थाना भोजपुर क्षेत्र में गोवध करने के आरोपित सद्दाम और नूर मोहम्मद को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया।

यह दोनों आरोपित भी पैर में गोली लगने से घायल हुए हैं, इन्हें भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया इसके अलावा थाना भोजपुर क्षेत्र में चेकिंग के दौरान गोवंशीय पशुओं की हत्या व तस्करी करने वाले हसनैन को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। इन पांचों आरोपितों ने पुलिस पूछताछ में कबूल किया है कि वह लंबे समय से गोवध की घटनाओं

मुरादाबाद में पुलिस-पशु तस्करों के बीच मुठभेड़, पांच गिरफ्तार

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन गोकशी क्लीन' के तहत पुलिस और गो तस्करों के बीच दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मुठभेड़ हुई। इस दौरान गोली लगने से चार आरोपी घायल हो गए, जबकि एक को पुलिस ने कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाकर गिरफ्तार कर लिया।

पहली मुठभेड़ पाकबड़ा थाना के डूंगरपुर रोड पर हुई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि पशु तस्कर क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी शुरू कर दी। पुलिस को आते देख पशु तस्करों ने फायरिंग कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिससे सद्दाम और कल्लू घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दूसरी घटना भोजपुर थाना क्षेत्र के अमीरपुर के जंगल में हुई, जहां मुठभेड़ में सद्दाम और नूर मोहम्मद को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इसी इलाके से हसनैन को भी चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस ने सभी आरोपियों को घायल अवस्था में पकड़ा है। इन सभी पर पहले भी अलग-अलग थाना क्षेत्रों में गोकशी की घटना को अंजाम देने के आरोप हैं। पुलिस ने मौके से एक मवेशी, गोकशी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, चार अवैध तमंचे और बाइक बरामद की है। पुलिस फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया, "मुखबिर से पशु तस्करों के बारे में सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर दोनों थानों की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। इनके गिरोह में कितने लोग शामिल हैं, इसका भी पता लगाया जा रहा है।" उन्होंने बताया कि पुलिस कई दिनों से इनकी तलाश कर रही थी। सभी आरोपी इससे पहले भी कई घटनाओं में शामिल थे। पूरी चेन को पकड़ा जा रहा है। यह कब से इस घटना में शामिल थे, इसकी भी पूछताछ की जा रही है।

पाली में बिजली के तार से लंगूर की मौत

राष्ट्रीय शान

महराजगंज/ रायबरेली तहसील क्षेत्र पूरे बाबूजी मजरे पाली में बिजली के तार की चपेट में आने से एक लंगूर बंदर की मौत हो गई। ग्रामीणों ने धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ उसका अंतिम संस्कार किया। इस दौरान ग्राम प्रधान दुजई पासी, बजरंग दल के जिला गौ रक्षा प्रमुख संतोष मौर्य सहित संजय, नरेंद्र, भानू, बुदुल सविता, रामदुलारे और मानसिंह जैसे कई ग्रामीण उपस्थित रहे। यह घटना पूरे बाबूजी मजरे पाली में हुई, जहां लंगूर बिजली के तार से टकरा गया, जिससे उसे करंट लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने मिलकर इस घटना पर दुख व्यक्त किया और बंदर का अंतिम संस्कार संपन्न कराया।

बिजली चोरी का काला सच : सीएम भजनलाल शर्मा व पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के गृहनगर बिजली चोरी के गढ़

जयपुर। राजस्थान की राजनीति खुद को कितनी भी ईमानदार और पारदर्शी बताने की कोशिश करे, लेकिन सच्चाई यही है कि सीएम भजनलाल शर्मा और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के गृहनगर में ही बिजली चोरी के सबसे ज्यादा मामले सामने आना पूरे सिस्टम पर करारा तमाचा है। सवाल साफ है–जब सत्ता के केंद्र और नेताओं के गढ़ में ही कानून और व्यवस्था तार-तार हो रही हो, तो बाकी प्रदेश से क्या उम्मीद की जाए? बीते दिनों राष्ट्रीय लोक अदालत में हजारों मामलों का निपटारा हुआ। और क्या पता चला? सबसे ज्यादा लंबित मामले बिजली चोरी, कनेक्शन काटे जाने और बिजली बिल बकाया से जुड़े थे। यानी प्रदेश का आधा तंत्र सालों से आंख मूंदकर बैठा रहा और लोगों ने खुलेआम बिजली चोरी की।

25 करोड़ की वसूली झ मगर ये जश्न क्यों?

जयपुर विद्युत वितरण निगम अब यह दावा कर रहा है कि उन्होंने 18 हजार से ज्यादा मामलों का निपटारा कर करीब 25 करोड़ रुपए वसूल लिए। लेकिन सवाल उठता है–क्या 25 करोड़ की वसूली ही बड़ी उपलब्धि है, या ये इस बात का सबूत है कि प्रदेश में बिजली चोरी और बकाया वसूली का दलदल कितना गहरा है?

असल में ये आंकड़े किसी सफलता के नहीं, बल्कि सरकार की नाकामी और ढीली कार्यप्रणाली का सबूत हैं। जब बिजली चोरी का पैसा लोक अदालत के जरिए वसूला जाता है, तो यह साफ दिखता है कि प्रशासन सालों तक इस गड़बड़ी को बढ़ने देता है और फिर समझौते के नाम पर वसूली करके अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेता है।

भरतपुर जोन : सबसे बड़ा गढ़ बिजली चोरों का

भरतपुर जोन के आंकड़े तो और भी चौंकाने वाले हैं। यहां हजारों उपभोक्ताओं ने मौके पर ही करोड़ों रुपये जमा कराए। करौली सर्किल झ 5.27 करोड़, धौलपुर झ 3.19 करोड़, सवाई माधोपुर झ 2.27 करोड़, डीग झ 2.35 करोड़, भरतपुर झ 1.25 करोड़।

यानी हजारों लोग सालों से बिजली चोरी या बकाया के मामले लटकाए बैठे थे। अब सवाल ये है–अगर इतने बड़े पैमाने पर बिजली चोरी चल रही थी तो डिस्कॉम और पुलिस आंख बंद करके बैठे थे क्या? या फिर नेताओं के संरक्षण में यह धंधा फल-फूल रहा था? जयपुर डिस्कॉम ने कुल 2 लाख 30 हजार प्रकरणों में नोटिस भेजे। लेकिन लोक अदालत में पहुंचे कितने? महज 20 हजार। बाकी का क्या हुआ? क्या उन पर कोई कार्रवाई होगी या फिर यह भी नेताओं के गृहनगर की तरह रफा-दफा कर दिया जाएगा? झालावाड़ जिले में डिस्कॉम और पुलिस की 48 टीमों ने आधी रात से लेकर 10 घंटे तक अभियान चलाया। 700 जगहों पर कार्रवाई हुई और 371 मामलों में 1.20 करोड़ रुपए की वसूली की गई। इसे नाम दिया गया–ऑपरेशन ऊर्जा प्रहार। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि अगर वाकई इतनी सख्ती है, तो फिर चोरी कैसे पनपती है? क्या ये

संपादक की कलम से

एचआईवी संक्रमण से मुक्ति की जंग अब भी अधूरी

आज जब दुनिया स्वास्थ्य सुरक्षा, जैविक आपदाओं और महामारी नियंत्रण के नए अध्यायों से गुजर रही है। आज यदि एक प्रभावी एड्स वैक्सीन विकसित होती है और भारत तक उसकी पहुँच सुनिश्चित होती है, तो इसके बहुआयामी सकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। भारत में लगभग चौबीस लाख लोग एचआईवी से संक्रमित हैं, जिनमें से अनेक ग्रामीण, आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों से हैं। वैक्सीन उपलब्ध होने से संक्रमण दर में नाटकीय गिरावट संभव है, जिससे स्वास्थ्य तंत्र पर बोझ घटेगा, जीवन प्रत्याशा बढ़ेगी और सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिलेगी। विशेषकर वाणिज्यिक यौनकर्मियों, ट्रांसजेंडर समुदाय, समलैंगिक पुरुषों और नशे की लत के शिकार व्यक्तियों जैसे उच्च जोखिम वाले समूहों को दीर्घकालिक संरक्षण प्राप्त होगी। यह वैक्सीन केवल स्वास्थ्य संकट का समाधान नहीं होगी, बल्कि यह सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगी।

कोविड महामारी के अनुभव ने यह सिखाया कि जब विज्ञान, सरकार और समाज एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो असंभव भी संभव हो सकता है। मात्र एक वर्ष में कोविड की वैक्सीन बन गई, जबकि एचआईवी जैसी महामारी को चार दशक बीत जाने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी टीका नहीं मिल सका है। यह तुलना यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या एचआईवी से जुड़ी वैक्सीन अनुसंधान को वह राजनीतिक इच्छाशक्ति, आर्थिक संसाधन और जन समर्थन मिला जो कोविड के मामले में मिला था?

ग्रामीण क्षेत्रों, अशिक्षित जनसमूह और ट्रांसजेंडर समुदाय जैसे संवेदनशील वर्ग आज भी भेदभाव, कुप्रचार और अज्ञानता का शिकार हैं। यह वायरस शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है, जिससे सामान्य बीमारियां भी जानलेवा साबित हो सकती हैं। यदि समय रहते इसका पता न चले और इलाज न हो, तो एड्स होने पर जीवन की संभावना कम हो जाती है। साथ ही, यह संक्रमण असावधान यौन संबंध, संक्रमित सुई का उपयोग, और रक्त संचरण के जरिए तेजी से फैल सकता है। इसलिए एड्स एक ऐसी बीमारी है जिसका खतरा अभी भी कम नहीं हुआ है, और इसके प्रसार को रोकने के लिए सतत जागरूकता, सुरक्षित व्यवहार, और अनुसंधान की जरूरत है । आज के डिजिटल युग में जहां सूचना की पहुंच आसान हो गई है, वहीं एड्स से जुड़ी भ्रांतियां और कलंक अब भी मिट नहीं सके हैं। यही वह मानसिक दीवारें हैं जिन्हें तोड़ना, एक प्रभावी वैक्सीन की खोज से भी ज्यादा जरूरी हो चला है। आज के युवा जागरूक, तकनीकी रूप से सशक्त और सामाजिक रूप से अधिक संवेदनशील हैं। उन्हें स्कूलों, कॉलेजों और सोशल मीडिया मंचों पर एचआईवी के बारे में खुलकर संवाद करना चाहिए। सुरक्षित यौन व्यवहार, नियमित जांच और संक्रमितों के साथ करुणामय व्यवहार को सामान्य बनाना होगा। यही वह सामाजिक आधार होगा जिस पर कोई भी वैक्सीन कार्यक्रम सफल हो सकता है ।

आज के परिप्रेक्ष्य में, जब भारत वैश्विक जैव-प्रौद्योगिकी केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, यह बेहद आवश्यक है कि सरकार और नीति-निमार्ता एचआईवी वैक्सीन अनुसंधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और इसके लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता सुनिश्चित करें। इसके साथ ही जनस्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाना होगा ताकि बेहतर परीक्षण, उपचार और रोकथाम की सुविधाएं हर स्तर पर उपलब्ध हो सकें। विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित वर्गों तक स्वास्थ्य शिक्षा और संसाधनों की सहज पहुँच सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि वे भी समय पर जानकारी और सहायता प्राप्त कर सकें। साथ ही, एड्स से जुड़े सामाजिक कलंक और भेदभाव को मिटाने के लिए व्यापक राष्ट्रीय जन जागरण अभियान चलाना होगा, जिससे समाज में समावेशन और संवेदनशीलता बढ़े तथा संक्रमितों को सम्मान और सहयोग मिल सके।आम आदमी से अपेक्षा की जाती है। कि वह एड्स से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाए। वे सही जानकारी प्राप्त करके अपने परिवार और समाज में जागरूकता फैलाएं, सुरक्षित यौन व्यवहार अपनाएं और समय-समय पर एचआईवी परीक्षण करवाएं। साथ ही, एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति सहानुभूति और सम्मान बनाए रखें, उनके साथ बीच सही संदेश फैलाकर वे इस बीमारी के खिलाफ सामूहिक लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

यही सहयोग और समझदारी ही एड्स मुक्त समाज के निर्माण की नींव रख सकती है। आज के युग में, जब विज्ञान ने चमत्कार करने की क्षमता दिखाई है, तब यह और जरूरी हो गया है कि हम एचआईवी वैक्सीन पर जन-ध्यान केंद्रित करें।यदि हम आज निर्णय लें कि भविष्य एड्स-मुक्त होना चाहिए, तो विज्ञान, समाज और शासन झ तीनों मिलकर वह भविष्य रच सकते हैं।

कांग्रेस के विरोध के बाद भी मोदी के खास

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपने सख्त रुख को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रखने के लिए एक बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। इस रणनीति के तहत भारत सरकार ने एक के बाद एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल गठित कर दुनिया के उन देशों की यात्रा की योजना बनाई है जो या तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य हैं या फिर भारत के रणनीतिक सहयोगी माने जाते हैं। इन प्रतिनिधिमंडलों का उद्देश्य न केवल भारत के पक्ष को वैश्विक समुदाय के सामने स्पष्ट करना है, बल्कि यह दिखाना भी है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की राजनीतिक व्यवस्था पूरी तरह एकजुट है। लेकिन इस राष्ट्रहित की कवायद के बीच एक ऐसा विवाद खड़ा हो गया है जिसने न सिर्फ कांग्रेस पार्टी के भीतर बहस को जन्म दे दिया है बल्कि केंद्र और विपक्ष के रिश्तों में भी खटास बढ़ा दी है। विवाद की जड़ में कांग्रेस सांसद शशि थरूर का नाम है जिन्हें केंद्र सरकार ने बिना कांग्रेस नेतृत्व की सिफारिश के एक प्रतिनिधिमंडल में शामिल कर लिया। जबकि कांग्रेस का दावा है कि उसने अपनी तरफ से चार वरिष्ठ सांसदों के नाम सरकार को भेजे थे, जिनमें से किसी को भी नहीं चुना गया। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि सरकार ने अपनी मनमर्जी से शशि थरूर को चुना और उन्हें प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सौंप दिया। वहीं, केंद्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस से कोई औपचारिक नाम नहीं मांगे गए थे, बल्कि जो जानकारी दी गई थी, वह केवल सूचनात्मक थी, कोई आग्रह नहीं। कांग्रेस इस सफाई से संतुष्ट नहीं है और उसका मानना है कि सरकार ने जानबूझकर कांग्रेस को दरकिनार किया और शशि थरूर को शामिल कर सियासी संदेश देने की कोशिश की।

यह पहला मौका नहीं है जब शशि थरूर की कांग्रेस नेतृत्व से टकराव की स्थिति सामने आई है। इससे पहले भी वे विदेश राज्य मंत्री रहते हुए कैटल क्लास जैसे ट्वीट की वजह से विवादों में आए और उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में खड़े होने के बाद से तो पार्टी के भीतर उन्हें शक की नजर से देखा जाने लगा। लेकिन इन सबके बावजूद शशि थरूर की एक अलग पहचान है एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी राजनयिक की, जो संयुक्त राष्ट्र में 30 साल से ज्यादा समय तक अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी वाक्पटुता, कूटनीतिक समझ और वैश्विक मंचों पर प्रभावशाली उपस्थिति ने उन्हें न केवल भारत बल्कि विदेशों में भी विशिष्ट पहचान दिलाई है। शशि थरूर ने खुद को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किए जाने पर खुशी और गर्व का इजहार किया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि वे भारत सरकार के इस आमंत्रण से सम्मानित महसूस कर रहे हैं और जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी, वे पीछे नहीं रहेंगे। उन्होंने किसी तरह की पार्टी अनुमति की आवश्यकता नहीं समझी, जो कांग्रेस नेताओं को खटक गया। पार्टी नेतृत्व का यह मानना है कि थरूर को पहले नेतृत्व से राय लेनी चाहिए थी, लेकिन शायद थरूर को खुद ही इस बात की आशंका थी कि यदि वे अनुमति मांगते तो उन्हें मना कर दिया जाता। ऐसे में उन्होंने खुद ही निर्णय लेना उचित समझा, खासकर तब जब उन्हें केंद्र सरकार की तरफ से प्रतिनिधित्व का प्रस्ताव मिला। शशि थरूर की इस भूमिका से न केवल बीजेपी को लाभ मिल रहा है बल्कि खुद थरूर की राजनीतिक हैसियत भी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब संसद में विदेश नीति पर बोलते हुए कांग्रेस पर हमला करते हैं, तब वे विशेष रूप से यह कहते हैं कि शशि थरूर इस दायरे से बाहर हैं। ऐसे में स्वाभाविक है कि कांग्रेस को यह चुभेगा। वहीं, बीजेपी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने भी थरूर की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी विदेश नीति की समझ और संयुक्त राष्ट्र में उनके अनुभव से कोई इनकार नहीं कर सकता। फिर कांग्रेस ने उन्हें क्यों नहीं चुना? क्या यह राहुल गांधी की असुरक्षा की भावना है? यह सवाल बीजेपी के माध्यम से आम जनमानस के बीच भी फेंका गया है, जो कांग्रेस के लिए चिंता का विषय है। कांग्रेस की तरफ से जिन चार सांसदों के नाम सुझाए गए थे उनमें आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा ब्रार शामिल थे। आनंद शर्मा पूर्व विदेश राज्य मंत्री रह चुके हैं, गौरव गोगोई लोकसभा में कांग्रेस के डिप्टी लीडर हैं और राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं। वहीं, राजा ब्रार और नसीर हुसैन को लेकर भी राजनीतिक विवाद जुड़ा रहा है। राजा ब्रार पर खालिस्तानी समर्थक गायकों के समर्थन का आरोप लगा है और नसीर हुसैन की एक रैली में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगने की घटना भी विवाद का कारण बनी थी। ऐसे में शशि थरूर का नाम इनमें से अधिक उपयुक्त और अंतरराष्ट्रीय छवि वाला नजर आता है। दरअसल, कांग्रेस को इस बात की तकलीफ है कि एक ऐसा नेता जो पार्टी के भीतर लगातार उपेक्षा का शिकार रहा है, आज राष्ट्रीय मंच पर केंद्र सरकार द्वारा प्रतिष्ठित किया जा रहा है। यह बात कांग्रेस के नेतृत्व को असहज कर रही है।

हालांकि पार्टी के कुछ नेता यह मानते हैं कि थरूर की राय और सोच भले ही अलग हो, लेकिन पार्टी को उन्हें अपने साथ बनाए रखना चाहिए क्योंकि उनका अंतरराष्ट्रीय अनुभव और बौद्धिक क्षमता कांग्रेस के लिए ताकत बन सकती है। कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक में हालांकि कुछ नेताओं ने यह भी कहा कि थरूर ने पार्टी की लक्ष्मण रेखा पार कर ली है और अब उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन फिलहाल कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। एक ओर कांग्रेस थरूर के खिलाफ कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं है, तो दूसरी ओर वह उन्हें खुला समर्थन भी नहीं दे पा रही है। यह दुविधा कांग्रेस नेतृत्व के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान और सत्ता संरचना की अस्थिरता को दशार्ती है। शशि थरूर एक ऐसे नेता हैं जो पार्टी लाइन से इतर राय रखने की हिम्मत करते हैं और अपनी बातों को खुले मंच पर रखते हैं। यही बात उन्हें विशिष्ट बनाती है और शायद यही बात कांग्रेस नेतृत्व को चुभती भी है। इस पूरे प्रकरण का एक और पहलू यह है कि थरूर को केरल में होने वाले अगले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर भी केंद्र सरकार ने आगे किया है। केरल में कांग्रेस के लिए हर सीट महत्वपूर्ण है, और वायनाड से राहुल गांधी के सांसद होने के कारण इस राज्य की राजनीतिक गतिविधियों पर पार्टी विशेष नजर रखती है। शशि थरूर तिरुवनंतपुरम से सांसद हैं और उनकी लोकप्रियता के चलते बीजेपी को लगता है कि उनके माध्यम से केरल में एक वैकल्पिक नैरेटिव खड़ा किया जा सकता है।

यदि थरूर को कांग्रेस में उचित सम्मान और भूमिका नहीं दी गई तो यह संभावना बन सकती है कि वे किसी भी समय पार्टी छोड़ दें या कम से कम एक स्वतंत्र रुख अख्तियार कर लें, जो कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदायक साबित होगा। शशि थरूर के पास इस वक्त अपने राजनीतिक जीवन को नई दिशा देने का पूरा अवसर है। वो न तो कांग्रेस के लिए पूरी तरह विश्वसनीय रहे हैं, न ही बीजेपी के लिए आज्ञाकारी। लेकिन यही स्थिति उन्हें खास बनाती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि थरूर जैसे नेता पार्टी की विविधता और बौद्धिक गहराई का प्रतीक हैं। यदि उन्हें दरकिनार किया जाता है तो इससे न केवल पार्टी की छवि को नुकसान होगा, बल्कि ऐसे नेताओं के बीच भी निराशा बढ़ेगी जो विचार और विवेक के आधार पर राजनीति करना चाहते हैं।

अब देखना यह है कि कांग्रेस इस चुनौती से कैसे निपटती है। क्या वह शशि थरूर को उनके हाल पर छोड़ देगी, या फिर उन्हें पार्टी के भीतर सम्मानजनक भूमिका देकर संतुलन साधेगी? केंद्र सरकार की रणनीति तो साफ है विपक्ष के प्रभावशाली नेताओं को अलग-थलग करना, उन्हें राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठा देना और इससे विपक्ष के भीतर मतभेद को और गहरा करना। कांग्रेस यदि समय रहते नहीं चेती, तो यह मामला सिर्फ शशि थरूर तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पार्टी के भीतर असंतोष और टकराव को और गहरा कर देगा। राजनीति में प्रतीकात्मक घटनाओं का बड़ा महत्व होता है, और शशि थरूर की यह नियुक्ति भी आने वाले समय में भारतीय राजनीति के समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

आरक्षण: पीढ़ीगत विशेषाधिकार या वास्तविक न्याय?

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत में आरक्षण का मुद्दा हमेशा से एक संवेदनशील और विवादास्पद विषय रहा है। यह सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और ऐतिहासिक उत्पीड़न के निवारण का एक महत्वपूर्ण उपकरण माना जाता है। परंतु जैसे-जैसे समय बीतता गया, आरक्षण की अवधारणा अपने मूल उद्देश्यों से भटकती प्रतीत होती है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस बी.आर. गवई का बयान इस बहस को एक नई दिशा में ले जाता है, जिसमें उन्होंने कहा कि संपन्न लोगों को आरक्षण से बाहर करने का निर्णय संसद को करना चाहिए। उनका यह कथन कई सवाल खड़े करता है झ क्या आरक्षण का वास्तविक लाभ उस वर्ग तक पहुंच रहा है जिसके लिए यह बनाया गया था? क्या यह व्यवस्था अब सुधार और पुनर्विचार की मांग करती है?

आरक्षण का मूल उद्देश्य

आरक्षण का आरंभ भारतीय समाज में व्याप्त गहरी सामाजिक असमानताओं को समाप्त करने और सदियों से वंचित समुदायों को मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से हुआ था। यह एक ऐसा साधन था जिससे सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक पिछड़ेपन को दूर कर समाज के सभी वर्गों को समान अवसर मिल सके। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर ने आरक्षण को एक अस्थायी उपाय के रूप में प्रस्तुत किया था, ताकि दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों को न्याय और अवसर मिल सके। उनका उद्देश्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना था जहाँ जातीय भेदभाव और सामाजिक उत्पीड़न का कोई स्थान न हो। यह केवल सरकारी नौकरियों और शिक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि एक समग्र सामाजिक सुधार की दिशा में एक साहसिक कदम था। लेकिन, धीरे-धीरे यह व्यवस्था उन परिवारों के लिए एक पीढ़ीगत विशेषाधिकार बनती जा रही है जो पहले ही सशक्त हो चुके हैं। न्यायमूर्ति गवई का यह कहना कि जब एक व्यक्ति क्अर या क्ढर बन जाता है, तो उसके बच्चे उसी समाज की कठिनाइयों का सामना नहीं करते हैं, एक महत्वपूर्ण सत्य की ओर इशारा करता है।

राष्ट्र के सम्मान को आहत करता विजय का बयान

मध्यप्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य विभाग मंत्री विजय शाह का बयान देश की राष्ट्रीय अस्मिता को कलंकित करने वाला है, राष्ट्र के सम्मान को आहत करने वाला है, जिस भारतीय सेना की कर्नल सौफिया कुरैशी ने आपरेशन सिंदूर के दौरान राष्ट्र का मस्तक ऊँचा उठाया हो, ऐसे सैन्य अधिकारी के खिलाफ सार्वजनिक मंच से अपने बयान मे उन्हें आंतकवादियों की बहन बताने का जो घृणित पाप किया है, वह पुरे देश को आहत कर गया। जब राष्ट्र आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान मे जाकर आंतकवादियों की पनाहगाहों को नेस्तनाबूत करने का जश्न मना रहा था, राष्ट्र की बेटी कर्नल सौफिया कुरैशी ने जब दुनियाँ को भारत के सधे कदमों से आंतकवाद के खिलाफ सैन्य कार्यवाही से अवगत कराया तब सारे भारत का मस्तक गर्व से ऊँचा उठ गया था, सौफिया व्योमिका की जुगलबंदी आपरेशन सिंदूर के घटनाक्रमों से देश दुनियाँ को अवगत करा रहे थे, भारत इस दौरान अपनी राष्ट्रीय एकता के दर्शन से भी दुनियाँ को वाकिफ करा रहा था। भारत की इस बेटी कर्नल सौफिया के विरुद्ध एमपी सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री, 8 बार के विधायक विजय शाह का बयान शर्मसार करने वाला है, इस मंत्री ने अपने भाषण मे कर्नल सौफिया कुरैशी पर जो टिप्पणी की है वह देश को नागवार गुजरी सोशल मिडिया पर मंत्री के इस बयान की कढ़ी आलोचना देखने को मिली। एमपी की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने इस पर अपनी सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा विजय शाह की मंत्री पद से बर्खास्तगी एवं एफआईआर तुरंत होना चाहिए क्योंकि उन्होंने पुरे देश को लज्जित किया है। प्रदेश मे कांग्रेस संगठन ने भी मुखर विरोध दर्ज कराया तथा एफआईआर और बर्खास्तगी की मांग करते हुए शाह के बयान को राष्ट्र विरोधी बताया।

मप्र हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर मंत्री विजय शाह के विरुद्ध सख्त टिप्पणी करते हुए एफआईआर दर्ज कराने को लेकर डीजीपी को निर्देशित किया, बुधवार रात एमपी के मानपुर थाने मे विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गयी। एफआईआर के बाद प्रदेश ही नहीं सम्पूर्ण देश से एक स्वर मे मंत्री विजय शाह की बर्खास्तगी की मांग की जा रही है, बदजुबान मंत्री सुप्रीम कोर्ट की कठोर टिप्पणीयों के उपरांत भी मंत्री अपने पद पर बने हुए है। प्रदेश सरकार भी सख्त रुख नहीं अपना पा रही है।

अपनी बदजुबानी के लिये कुख्यात मंत्री विजय शाह ने सावजनिक मंच से जो कहा वह एक संवैधानिक पद पर बैठे प्रदेश के मंत्री को शोभा नहीं देता। उनकी टिप्पणी सेना और राष्ट्र के मनोबल को कमजोर करने वाली है, ऐसे समय जब भारत देश आंतकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ रहा हो तब प्रदेश के किसी मंत्री का उक्त बयान असहनीय, पीड़ादायी और राष्ट्रविरोधी माना जाना चाहिए। होना तो यह चाहिए था की मंत्री के बयान के तुरंत बाद प्रदेश की सरकार के मुखिया ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराना चाहिए थी, उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए था। किंतु प्रदेश की सरकार ने रिपोर्ट दर्ज कराने का साहस नहीं दिखाकर जनभावना का अपमान किया है। जनभावना को समझकर राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक प्रावधानों की रक्षार्थ मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने स्वतः सज्ञान लेकर प्रदेश के डीजीपी को तुरंत प्राथमिकी दर्ज कराने का सख्त निर्देश दिया। देश के सुप्रीम कोर्ट ने भी एमपी के उच्च न्यायालय के आदेश को उचित मानते हुए मंत्री को फटकार लगाई। मप्र उच्च न्यायालय के निर्देश के पालन मे मानपुर थाने मे एफआईआर दर्ज की गयी। एमपी हाई कोर्ट का उक्त आदेश सम्पूर्ण भारतवासियों के मन मे न्यायपालिका के प्रति विश्वास बढ़ाने वाला प्रतीत हो रहा है। आपरेशन सिंदूर के दौरान मध्यप्रदेश के नागरिक इसलिए भी गौरव से भरे हुए थे, जब उन्हें यह सूचना मिली की आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा आंतकवादियों की शरणस्थली पाकिस्तान मे जाकर आंतक के ठिकानों को बर्बाद कर दिया गया है। भारत की सैन्य कार्यवाहीयों को दुनियाँ के समक्ष रखने की जवाबदेही निभाने वाली कर्नल सौफिया की प्रारम्भिक शिक्षा एमपी के छतरपुर के नौगाँव मे अपने चाचा के यहां हुई है।

सीमित युद्ध से भारत को सीखने होंगे कई सबक

आज समझदारी इसी में है कि युद्ध के कोहरे के बीच क्या सही या गलत हुआ, इस बाबत सभी बाहरी दावों और प्रतिदावों को त्याग दिया जाए। समाचार मीडिया एंकरों और स्व-घोषित अति-राष्ट्रवादियों ने कई (ज्यादातर झूठे) दावे कर गड़बड़ कर दी है। सरकार समर्थक मीडिया ने अपने आकाओं की सेवा में काल्पनिक दावों की ऐसी झड़ी लगा दी जिससे सरकार शर्मिंदा हो सकती है और मीडिया ने खुद को बेकार साबित कर दिया है।

पहलगाम में आतंकवादी हत्याओं की निंदा करने और रक्षा बलों को सलाम करने में सारा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है। इस घटना के कारण पाकिस्तान पर भारत ने पांच दशकों में इतना सघन हमला किया। भारत की इस कार्रवाई के लिए व्यापक समर्थन आतंकवादियों को खोजने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने के राष्ट्रीय संकल्प को दशार्ता है। फिर भी, यह संकल्प आत्म-प्रशंसा के शोर के एक प्रतिध्वनि कक्ष में उतरने का जोखिम उठाता है जो राष्ट्र को उस गहन विश्लेषण से रोक सकता है।

इस संघर्ष में हालांकि कुछ भारतीय उद्देश्यों को हासिल कर लिया गया लेकिन इस स्तर पर यह तर्क देना मुश्किल है कि ऑपरेशन सिंदूर एक बड़ी सफलता थी। भले ही ऑपरेशन में सीमित सफलता मिली है लेकिन इससे मिले सबक असीमित हैं। हमारे पास डेटा की एक खदान है जिसमें राजनीतिक ग्राउंड वर्क, राजनयिक जुड़ाव और योजना, रणनीति या परिचालन मुद्दों के विचारों से लेकर उच्च तकनीक वाले सैन्य हार्डवेयर व अत्याधुनिक प्लेटफार्मों के प्रदर्शन पर समृद्ध युद्ध क्षेत्र डेटा तक शामिल हैं।

अगली लड़ाई उन लोगों द्वारा जीती जाएगी जो सैन्य मोर्चे पर इन सीखों पर अच्छी तरह से अमल कर सकते हैं लेकिन सबसे बड़ा सबक विशेष रूप से राजनीतिक मोर्चे पर होगा जहां युद्ध पर बड़े निर्णय लिए जाते हैं। सीखना हमेशा आसान नहीं होता है। उच्चतम राजनीतिक स्तर पर, यह उस रणनीति को चुनौती देता है जिसने हमें मर्दानगी की बातें और युद्ध के नारे दिए, जिसमें चुनावी रैली भी शामिल है, लेकिन युद्ध के समय अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए आवश्यक कड़ी मेहनत के कम सबूत मिले. साथ ही, विनम्रता, ईमानदारी और जिज्ञासा की भावना के साथ कठिन सवालों को प्रोत्साहित करने की इच्छा भी होनी चाहिए, जिनमें से कोई भी आत्म-प्रशंसा से मदद नहीं करता है जो गहन जांच को बंद कर देता है।

साथ ही अगर हमें इस मुद्दे पर राष्ट्रीय एकता का पूरा लाभ उठाना है तो विपक्ष पर चुनावी शैली के हमलों के बजाय राजनीतिक दलों को अधिक विश्वास-निर्माण करने वाले कदमों के साथ एक साथ लाना होगा।

पहलगाम आतंकी हत्याओं के ठीक दो दिन बाद 24 अप्रैल को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में जब लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं सहित सभी राजनीतिक नेता मौजूद थे, उसमें प्रधानमंत्री के शामिल न होने के फैसले से विश्वास बहाली में कोई मदद नहीं मिली। वह गलत निर्णय पुरानी ढर्रे की नीतियों के आधार पर लिया गया था। विभिन्न देशों की राजधानियों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का सरकार का निर्णय अलग है। यह दृष्टिकोण में बदलाव का संकेत देता है लेकिन कांग्रेस द्वारा नामित नहीं किए गए शशि थरूर के सूची में शामिल होने पर पैदा हुआ विवाद- एक अनावश्यक चुभन- हमें बताता है कि पुरानी आदतें मुश्किल से छूटती हैं। हम उन पाठों पर वापस आ गए जो सीखे नहीं गए हैं। कांग्रेस पहले ही कह चुकी है कि भाजपा गेम खेल रही है। यह एक ऐसे मुद्दे पर कमजोर भरोसे और खराब राजनीतिक संबंधों में उतरता है जो गहरी राजनीतिक एकता की मांग करता है।

जानकारियां जिस तरह से अर्थहीन हो गई है उससे कुछ सबक मिलते हैं। आज समझदारी इसी में है कि युद्ध के कोहरे के बीच क्या सही या गलत हुआ, इस बाबत सभी बाहरी दावों और प्रतिदावों को त्याग दिया जाए। समाचार मीडिया एंकरों और स्व-घोषित अति-राष्ट्रवादियों ने कई (ज्यादातर झूठे) दावे कर गड़बड़ कर दी है। सरकार समर्थक मीडिया ने अपने आकाओं की सेवा में काल्पनिक दावों की ऐसी झड़ी लगा दी जिससे सरकार शर्मिंदा हो सकती है और मीडिया ने खुद को बेकार साबित कर दिया है। यह ऐसे दोस्तों का मामला है जो दुश्मनों से भी बदतर काम कर रहे हैं। मीडिया तब सही तरीके से काम करता है जब सभी प्रकार के विचारों को फलने-फूलने की अनुमति दी जाती है। इसका उदाहरण ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजॅन हैं जहां पर ग्राहक समीक्षाओं का समग्र मूल्यांकन कर नकारात्मक और सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रकाशित की जाती है। एकतरफा विचारों से चिह्नित एक पारिस्थितिकी तंत्र सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण रूप से उस पक्ष के लिए बुरा है जिसे आगे बढ़ाया जा रहा है। ये प्राथमिक सबक हैं जिन्हें फिर से सीखने की आवश्यकता हो सकती है।

युद्ध अंतिम उपाय है। यह भारत कह चुका है और इसे वास्तव में प्रधानमंत्री ने अतीत में व्यक्त किया है। 2022 में कारगिल में प्रधानमंत्री को यह कहते हुए उद्धृत किया गया था- भारत ने हमेशा युद्ध को अंतिम उपाय के रूप में देखा है, लेकिन राष्ट्र पर बुरी नजर डालने वाले किसी भी व्यक्ति को करारा जवाब देने की ताकत और रणनीति सशस्त्र बलों के पास है। तो भी जब इस अंतिम उपाय का प्रयोग किया जाता है तो ब्रह्मास्त्र अपनी शक्ति खो सकता है। इसका उसी तरह से फिर से उपयोग या संचालन नहीं किया जा सकता। कम कार्रवाई को हल्के में लिया जाएगा, मजबूत कार्रवाई से अस्वीकार्य स्तर के जोखिम के साथ तेजी से वृद्धि का जोखिम होगा। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पहले जल्दबाजी में घोषित किए गए संघर्ष विराम के मद्देनजर यह भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत या पाकिस्तान ने संघर्ष विराम की घोषणा नहीं की थी। भविष्य में इसका क्या मतलब है इसका पूरी तरह से विश्लेषण करने में समय लगेगा। इस बीच, व्हाट्सएप समूहों पर भेजी जा रही कुछ राजनीतिक प्रतिक्रियाओं से बचना चाहिए- एक ने कहा कि पूर्ण युद्ध केवल तभी संभव है जब भाजपा 400 सीटें जीते। आतंकी हमले और युद्ध ऐसे मुद्दे नहीं हैं जिन पर किसी को वोट और संसद में सीट मांगनी चाहिए। यह खतरनाक और अपमानजनक है- यह प्रतिक्रिया अति उत्साही, सहानुभूति रखने वालों और पार्टी के समर्थकों से आती है।

ये लोग उस पार्टी को अधिक नुकसान पहुंचाते हैं जिसका वे समर्थन करना चाहते हैं।

ध्यान दें कि ट्रम्प ने संघर्ष विराम पर बोलते समय भारत और पाकिस्तान को बराबरी का दर्जा दिया। ट्रम्प ने एक ही समय अस्तित्व में आए दो देशों के संबंध में स्वीकृत डी-हाइफनेशन को मिटा दिया।

जॉब पर वे बातें
जो आपको कोई नहीं बताएगा...

पढ़ाई खत्म करने के बाद जब आप किसी कंपनी में काम करने जाते हैं तो शुरू के कुछ साल आपको बिजनस एथिक्स समझने में लग जाते हैं। पर कंपनियां यह सोचती हैं कि आपको ये एथिक्स पहले से पता होना चाहिए। ये बातें आपको अपने कार्यस्थल पर कोई नहीं बताएगा, लेकिन हम आपकी मदद कर सकते हैं।

1. पहली नौकरी आपको कई अनुभव देती है। याद रखिए कि अब आप एक प्रोफेशनल बन चुके हैं और आपकी पहली नौकरी आपके करियर के लिए महत्वपूर्ण है। तो अपने कार्यस्थल पर हद से ज्यादा गपशप और देर से आना और बहाने देना अब अच्छा नहीं होगा।
2. कार्यस्थल पर फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सएप आदि सोशल नेटवर्किंग का उपयोग न के बराबर ही करें। इनका अत्यधिक उपयोग आपकी काम में अरुचि को दर्शाता है, इसलिए कई कंपनियां इन साइट्स को ब्लॉक कर देती हैं। अच्छा होगा कि बातचीत करने के लिए लंच ब्रेक का प्रयोग करें।
3. अपने सीनियर से बहस न करें। अपनी गलती मानें और उसे समझें और दोबारा न दोहराने की बात कहें, क्योंकि वे आपके बॉस हैं कई सालों से काम करते हुए उन्हें काम का खासा अनुभव है। आपका ज़रा-सा गलत रवैया बॉस की नज़रों में आपकी इमेज गिरा सकता है।
4. कार्यस्थल एक ऐसी जगह है जहां अलग-अलग प्रकार के, अलग विचारों के लोग एकसाथ काम करते हैं। कभी-कभी किसी बात पर मतभेद भी हो जाता है, तो याद रखें कि मतभेद को मनभेद में परिवर्तित ना होने दें।
5. खुलेआम अपने सहयोगी की बुराई न करें। लोगों की बुराई से ज्यादा अच्छाई देखें।
6. अपना काम हमेशा ईमानदारी से करते रहें। अगर कोई काम समझ नहीं आ रहा है तो अपने सीनियर या सहयोगियों से पूछने में हिचकें नहीं।
7. अगर आप ओवरवर्कड महसूस कर रहे हैं तो अपने सीनियर से अपनी समस्या पर बात करें।
8. कार्यस्थल पर हमेशा विनम्र बने रहें।

बेरोज़गारी का भी मज़ा लीजिए

कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद ज़रूरी नहीं है कि आपको जॉब मिल ही जाए। आपमें काबिलियत है इसमें कोई शक नहीं लेकिन कभी-कभी समय अनुकूल नहीं होता। जीवन के इस पॉइंट पर जब आपके ज्यादातर दोस्त जॉब पर लग चुके हैं और आप बेरोजगार हैं तो आपको अपने आप को अयोग्य या अनसक्सेसफुल महसूस करने की कोई जरूरत नहीं है। ऐसा तो बिलकुल नहीं है कि भविष्य में आपको जॉब नहीं मिलेगा। आप बेरोज़गार हैं तो इसका भी मज़ा लीजिए और अपने इस खाली समय का सदुपयोग करें। हम बता रहे हैं कैसे-

अपनी हॉबी को समय दें - आप अपने इस खाली समय का उपयोग अपने शौक को पूरा करने के लिए कर सकते हैं। ऐसी चीज़ें करें जो आप करना चाहते थे लेकिन पढ़ाई और दूसरे कामों के चलते आप उसके लिए समय नहीं निकाल पाए। वो डांस सीखना, सिंगिंग क्लास जाना, कोई इंसट्रुमेंट बजाना सीखने से लेकर कुछ भी हो सकता है। खुद के लिए उस समय का भरपूर उपयोग करें।

रिश्तों को नयापन दें - ये खाली समय अपने परिवार और दोस्तों को दें। ऐसे दोस्तों से मिलें जिनसे मिले आपको सालों हो गए हैं। अपनी सोशल लाइफ को ट्रैक पर लाएं और चाहें तो नए दोस्त बनाएं। इस खाली समय का आप इस तरह अच्छा उपयोग कर सकते हैं।

छुट्टियों पर निकल जाएं - अभी आप किसी के अंडर काम नहीं कर रहे हैं। आपके पास ना 9 से 5 की बंधी हुई दिनचर्या है ना बॉस की झिक-झिक है। एक बार ये सब शुरू हो गया तो आप इससे निकल नहीं पाएंगे तो मान कर चलें कि ये आपकी जिंदगी का सबसे अच्छा समय है जो आप अपने लिए खर्च कर सकते हैं जैसे आप चाहें। एक वेकेशन प्लान करें, वीडियो गेम खेलें, स्पा का मज़ा लें आदि।

डॉक्टर बनने का बेहतर प्लेटफॉर्म

एक पुरानी चीनी कहावत हैकि सबसे बेहतर डॉक्टर वह है , जो बीमारी के आने से पहले ही उसे दूर कर देता है। इसके बाद वे चिकित्सक आते हैं,जो किसी बीमारी को आने पर उसे और बढने से रोकता है। सबसे निचले स्तर पर वे आते हैं, जो बीमारी का इलाज करते हैं। आज मेडिकल के प्रोफेशन में हर कदम पर यह कहावत खुद को चरितार्थकरती है। सालों पहले जब मेडिक ल सुविधाओं का विकास इतना नहीं हुआ था, तब हम हर बीमारी को अपना प्रारब्ध या प्रकृति का न्याय माना करते थे। लोग बीमारी से लडना तो दूर रहा, उसके नाम से ही घबराया करते थे। ऐसे में अमूमन साधारण बीमारियां भी जानलेवा हुआ करती थीं। लेकिन आज ऐसा नहीं है। पिछले सौ सालों में मेडिकल सांइस में हुई तेज तरक्की ने लोगों की पुरानी धारणा को तो बदला ही है, लोगों को जीने का हौसला भी दिया है। इस हौसले को अपनी क्षमताओं और गहरे समर्पण के बूते आधुनिक धन्वंतरि और भी आसान बना रहे हैं। यदि आपमें भी दर्द झेल रही मानवता के कष्टों के बरक्स अपनी जिम्मेदारी का अहसास है तो चिकित्सक बनकर अपनी इस जिम्मेदारी को बखूबी पूरा कर सकते हैं। ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्टयानि एआईपीएमटी इस क्षेत्र में आपकी राह प्रशस्त कर सकता है।

क्यों खास है एआईपीएमटी

डॉक्टर की पृथ्वी के ईश्वर के रूप में पूजा की जाती है। लोग इस पेशे को सम्मानित नजरिए से देखते हैं। यही कारण है कि डॉक्टर बनने का स्वप्न हर युवा देखता है। अभिभावक भी चाहते हैं कि उसका बेटा चिकित्सक बनकर देश की सेवा करे और प्रसिद्धि पाए। लेकिन यह सपना उसी का पूरा हो पाता है, जो सिस्टमेटिक पढाई करता है। यदि आपने सीबीएसई द्वारा आयोजित एआईपीएमटी के माध्यम से एमबीबीएस तथा बीडीएस की पढाई करने का स्वप्न देखा है तो एआईपीएमटी में अच्छी रैंक लाकर सपने को हकीकत में बदल सकते हैं।

संस्थान चयन के फार्मूले

एआईपीएमटी में स्टूडेंट्स को रैंकिंग के आधार पर मेडिकल कॉलेज आवंटित किए जाते हैं। कभी विकल्प भी मांगे जाते हैं। यदि ऐसा अवसर मिले तो शीर्ष संस्थानों को प्रथम वरीयता दें। प्रयास करें होम स्टेट के मेडिकल कॉलेज को सर्वप्रथम वरीयता दें। यदि आप ऐसा करते हैं तो इससे भाषा या इससे संबंधित प्रांतीय समस्याएं सामने नहीं आएंगी।

बारहवीं में बायोलॉजी है अनिवार्य

अखिल भारतीय प्री-मेडिकल/प्री-डेंटल प्रवेश परीक्षा देने के लिए वही कैंडिडेट्स योग्य हैं, जिनकी उम्र 31 दिसम्बर को 17 से 25 वर्ष के बीच हो और 50 प्रतिशत अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी यानि पीसीबी के साथ 10+ 2 उत्तीर्ण हों या फिर 2012 में परीक्षा दे रहा हों।

जानिए प्रारंभिक परीक्षा का पैटर्न

एआईपीएमटी की प्रारंभिक परीक्षा में एक प्रश्नपत्र होगा जिसमें 200 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न होंगे। समयावधि तीन घंटे की होगी। परीक्षा में पूछे जाने वाले सभी प्रश्न फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी और जुलॉजी से होंगे। प्रारंभिक परीक्षा की तरह फाइनल परीक्षा में भी फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी (जुलॉजी और बॉटनी) के प्रश्न

पूछे जाएंगे। इसमें भी केवल एक प्रश्नपत्र होगा, जिसमें 120 ऑब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएंगे।

क्या है मीडियम आफ क्वैश्चन

एआईपीएमटी परीक्षा का मीडियम अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाएं होंगी। आप जिस भी भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उसके लिए फार्म भरते समय संबंधित कॉलम में टिक करना जरूरी है। आवेदन फार्म भरने के बाद भाषा बदलना संभव नहीं होगा।

तैयारी के मंत्र

कडी मेहनत के साथ यदि तैयारी में बेहतर गाइडेंस व पुख्ता रणनीति का रंग मिला दें तो यहां कामयाबी काफी कुछ सहज हो सकेगी। 12वीं के सिलेबस से क्लियर होगा फंडा एआईपीएमटी में पूछे जाने वाले प्रश्न दसवीं व बारहवीं स्टैंडर्ड के होते हैं। स्टूडेंट्स यदि दसवीं से ही इस प्रतियोगिता की तैयारी शुरू कर दे तो वे आसानी से अच्छी रैंक ला सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि वे छात्र जो अपनी बारहवीं की पढाई में संजीदा रहते हैं, उनके लिए इस परीक्षा के भंवर को पार करना थोडा आसान रहता है। ऐसे में आवश्यक है कि स्टूडेंट्स फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के बेसिक्स पर ज्यादा ध्यान दें और उससे भी पहले सिलेबस को अच्छी तरह समझ लें।

प्रैक्टिस का नहीं है अल्टरनेटिव

लगातार प्रैक्टिस इस परीक्षा में कामयाबी का मंत्र है। चूंकि इस परीक्षा का नेचर ऑब्जेक्टिव टाइप होता है, इसलिए इसकी प्रैक्टिस बहुत जरूरी है। ऐसे में जरूरी है कि कैंडिडेट्स पिछले वर्षो के प्रश्नों पर ध्यान दें। घर में ही परीक्षा जैसा महौल बनाएं। कि स चेप्टर से कितने प्रश्न पूछे गए हैं , को भी दिमाग में रखना अहम होगा। ऐसा बार-बार करने से विषय में पकड मजबूत होगी व तैयारी भी बेहतर होगी।

और भी हैं डाक्टर बनने की राह

यदि आपने मेडिकल में सुनहरे कल की इबारत लिखने का

संकल्प लिया है तो आने वाले समय में कई संभावनाएं हैं। एसोचैम रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2015 तक भारतीय दवा उद्योग करीब 20 अरब डॉलर होने की संभावना है। अनुमान है कि इस समयावधि में ही देश का दवा बाजार दुनिया के शीर्ष 10 दवा बाजारों में शामिल हो जाएगा। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के आंकडे बताते हैं कि देश के दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों में निजी अस्पताल कारोबार में बढोत्तरी के मद्देनजर इस सेक्टर के अगले तीन साल में 45 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। देश में मेडिकल प्रोफेशनल के लिए आज एआईपीएमटी के अलावा भी कई विकल्प हैं।

कौन-कौन सी प्रवेश परीक्षाएं

एआईपीएमटी के अलावा कईसंस्थान राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर मेडिकल परीक्षा आयोजित करते हैं, जिसमें आ?र्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे (एएफएमसी), बीएचयू एमबीबीएस इंट्रेंस एग्जामिनेशन , एमजीआईएमएस वर्धा एमबीबीएस प्रमुख हैं। इसके अलावा सीपीएमटी, पीएमटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं की मेरिट में आकर भी डॉक्टर बनने का सपना आबाद कर सकते हैं। भारत में मेडिकल की कई शाखाएं हैं, जिसमें कई तो बेहद परंपरागत और प्राचीन समय से चली आ रही हैं। ऐलोपैथ, आयुर्वेद (बीएएमएस), होम्योपैथ (बीएचएमएस) तथा यूनानी (बीयूएमएस) मेडिकल की कुछ ऐसी ही उपशाखाएं हैं। इन सभी में इंट्री के लिए आपको बायोग्रुप से बारहवीं होना अनिवार्य है, वहीं बीयूएमएस के लिए उर्दू का ज्ञान होना जरूरी है।

सफलता
सिर्फ एक बार हासिल करने की चीज नहीं है

सफलता की विशेषताओं के बारे में जानना एवं विशेषण करना सरल है, परंतु इनको अपने व्यक्तित्व में समाहित करना एक वास्तविक चुनौती है। सफलता की विशेषताओं में सकारात्मक सोच, स्वयं पर विश्वास, साहस, लक्ष्य के प्रति समर्पण, कुशल समय प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन आदि गुण सम्मिलित होते हैं। इनसे एक सजग व्यक्ति भली-भांति परिचित होता है। हर व्यक्ति इन गुणों को स्वयं में उतारने एवं बनाए रखने का इच्छुक होता है। किंतु जब उसका वास्तविकता से सामना होता है, तो पता चलता है कि इनका अभ्यास करना कठिन है। ऐसा आकांक्षा एवं इच्छाशक्ति के बीच एक बड़ा अंतर होने की वजह से होता है। सफलता के कारकों की सूची काफी लंबी हो सकती है, यदि इनको विभिन्न शीर्षकों-उपर्शीषकों में रखा जाए, परंतु सरल बनाने के क्रम में उनको चार शीर्षकों के अंतर्गत रखना पसंद करता हूं। जिनको सफलता के पहिए की चार तीलियां कहा जा सकता है। ये हैं-मस्तिष्क, समय, ऊर्जा एवं मानवीय संबंध। ईश्वर द्वारा मनुष्य को प्रदान किए गए इन चार बेशकीमती उपहारों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन कर आप जीवन की किसी भी ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं।

सफलता की शुरुआत आप के स्वयं की पहचान के साथ होती है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता, शांति एवं प्रसन्नता हासिल करने एवं उसका अभिवर्धन हासिल करने की असीम क्षमता के साथ ईश्वर का एक अद्वितीय सृजन होता है। स्वयं की क्षमता एवं अद्वितीयता की समझ एवं पहचान एक अद्भुत अनुभव है। मैक्स लुकाडो कहते हैं-आप एक दुर्घटना नहीं हो सकते। आप थोक में पैदा नहीं हुए। आप जैसे तैसे पुर्जों को जोड़कर बनाए गए उत्पाद नहीं हैं। आप सर्वशक्तिमान स्त्रष्टा द्वारा जानबूझकर नियोजित, विशिष्ट उपहार में दिए गए तथा बड़े प्यार से इस धरती पर उतारे गए हैं। हममें से हरेक व्यक्ति का इस धरती पर आने का एक उद्देश्य होता है और हर व्यक्ति में अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कुछ अद्वितीयता होती है।

सफलता की कला वास्तव में हमारे मस्तिष्क के दक्षतापूर्ण संचालन की एक कला है। यहां, यह समझना महत्वपूर्ण है कि साक्षरता एवं शिक्षा में बहुत बड़ा अंतर होता है। एक व्यक्ति बिना साक्षर हुए भी पूर्ण रूप से शिक्षित हो सकता है। अकबर महान इसका एक सर्वोत्तम उदाहरण हैं। बहुत से संत महात्मा एवं धार्मिक गुरु निरक्षर थे, किंतु वे काफी ज्ञानी थे। दूसरी ओर, हमारे देश में या विश्व में कहीं भी साक्षर और उच्च डिग्री प्राप्त लोगों की संख्या काफी अधिक है, लेकिन उन लोगों की संख्या काफी कम होती है जो उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने तथा इस विश्व को कुछ अर्थपूर्ण योगदान दे जाने के लिए वास्तविक रूप से स्वयं को शिक्षित होने का दावा करते हैं। सच्चे अर्थ में शिक्षा का सीधा संबंध आत्मबोध से होता है। अकादमिक शिक्षा हमें साक्षर और सूचनाओं एवं ज्ञान से समृध्द बना सकती है, लेकिन उनका इस्तेमाल एवं अर्थवत्ता हमारी वास्तविक शिक्षा की शक्ति पर निर्भर करती है। गैलीलियो का कहना है कि आप व्यक्ति को कुछ भी नहीं सिखा सकते। आप उसे स्वयं के अंदर ढूंढ़ने में केवल सहायता कर सकते हैं। ईश्वर ने पहले से ही हमारे मस्तिष्क को शक्ति प्रदान कर रखी है, हमें सिर्फ इस बात की खोज करनी है कि हम अधिकतम लाभ के लिए उसका कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं। एक सच्चा शिक्षक वही है, जो अपने विद्यार्थी के मस्तिष्क की मौलिकता को मारे नहीं, बल्कि उसे आत्मानुभूति करने में सहायता प्रदान करे। मैं इस संबंध में गौतम बुध्द के दर्शन में काफी विश्वास करता हूं। वे कहते हैं कि किसी भी चीज पर तब तक विश्वास मत करो, जब तक कि वह तुम्हारे अपने विवेक एवं अपनी सहज बुध्दि को स्वीकार्य न हो, चाहे जहां से तुमने उसे पढ़ा हो, या जिसने भी कहा हो, यहां तक कि मैंने भी कहा हो।

भारतीय राजदूत ने नेपाली प्रधानमंत्री कार्की को सौंपा औपचारिक बधाई पत्र

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सिंह दरबार में अंतरिम प्रधान मंत्री सुशीला कार्की से मुलाकात की है। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से औपचारिक बधाई पत्र सौंपा। नेपाल में अंतरिम सरकार का गठन होने के बाद सुशीला कार्की से इस मुलाकात को भारत के साथ दोस्ताना संबंध विकसित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मंगलवार शाम 4 बजे हुई इस शिष्टाचार मुलाकात में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वीडियो कॉन्फ्रेंस में होने वाली बातचीत का एजेंडा तय किया गया है। पीएमओ के अधिकारियों ने कहा कि शुरुआत में आज दोपहर 3:15 बजे वीडियो कॉल की योजना बनाई गई थी, लेकिन शेड्यूलिंग कठिनाइयों के कारण दोनों पक्ष गुरुवार सुबह 11:30 बजे के लिए सहमत हो गए।

सुशीला कार्की ने भारत के पद्मश्री से सम्मानित चिकित्सक को दिया मंत्री बनने का ऑफर

काठमांडू। अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने नेपाल के प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संदूक रुइत को सरकार में शामिल होने ऑफर दिया, लेकिन उन्होंने सरकार का हिस्सा बनने से इंकार कर दिया है। डॉ. रुइत को भारत सरकार ने पद्म श्री से सम्मानित किया है। डॉ. संदुक रुइत नेपाल के एक प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं, जो अपनी सस्ती और प्रभावी मोतियाबिंद सर्जरी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने एशिया और अफ्रीका में लाखों लोगों की दृष्टि लौटाई है। भारत में चिकित्सा की पढ़ाई के बाद उन्होंने किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज और दिल्ली के एम्स में प्रशिक्षण लिया। डॉ. रुइत ने 'हिमालयन मोतियाबिंद परियोजना' की सह-स्थापना की है। उन्हें भारत के पद्म श्री पुरस्कार सहित कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। काठमांडू के तिलगंगा नेत्र अस्पताल की यात्रा के दौरान अंतरिम प्रधान मंत्री कार्की ने डॉ. रुइत को अंतरिम सरकार में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। जवाब में डॉ. रुइत ने कहा कि मैं सरकार का समर्थन करूंगा, लेकिन मैं इसका हिस्सा नहीं बन सकता। डॉ. रुइत ने कहा कि वह सरकार में शामिल होने के लिए अपनी अस्पताल की जिम्मेदारियों और रोगियों को नहीं छोड़ सकते।

नेपाल में प्रदर्शन के दौरान मारे गए 10 छात्रों का अंतिम संस्कार किया गया

काठमांडू। नेपाल में 8 और 9 सितंबर के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान अपनी जान गंवाने वाले दस छात्रों का अंतिम संस्कार किया गया है। इनमें से नौ शवों को महाराजगंज के त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में और एक को पाटन अस्पताल में रखा गया था। नेपाल की अंतरिम सरकार ने एक दिन पहले सोमवार को जेन-जी आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों को आधिकारिक तौर पर शहीदों का दर्जा देने का फैसला लिया था। सरकार ने इनके सम्मान में एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है और सार्वजनिक अवकाश दिया है। मृत छात्रों के बलिदान का सम्मान करने के लिए आज अंतिम संस्कार जुलूस निकाला गया, जिसकी शुरुआत शिक्षण अस्पताल से हुई और दाह संस्कार से पहले रिंग रोड पर इस शव यात्रा को घुमाया गया। त्रिभुवन विश्वविद्यालय की प्रवक्ता काली प्रसाद रोज्यारा के अनुसार काठमांडू के बाहर रहने वाले मृतकों के शवों को उनके गंतव्य तक भेज दिया गया है। आज काठमांडू के 10 मृतकों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

उज्बेकिस्तान ने उस्त्युर्ट पठार पर विशाल गैस भंडार की खोज की

ताशकंत। उज्बेकिस्तान ने उस्त्युर्ट पठार पर विशाल गैस भंडार की खोज की है। स्थानीय मीडिया ने राष्ट्रपति की प्रेस सेवा के हवाले से यह जानकारी दी। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने एक बैठक के दौरान जानकारी देते हुए कहा कि यह खोज 6,500 मीटर की गहराई में उतरकर की गई है, जो देश में पहली बार इतनी गहराई पर अन्वेषण का संकेत है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले तेल और गैस का उत्पादन 2,500 से 3,000 मीटर भूमिगत तक ही सीमित था। देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी समिति ने यह भी बताया कि इस वर्ष के पहले सात महीनों में 25.3 अरब क्यूबिक मीटर गैस का उत्पादन किया गया, जो 2024 की इसी अवधि की तुलना में 3.4 प्रतिशत कम है। उस्त्युर्ट पठार अरल और कैस्पियन सागर के बीच स्थित एक मध्य एशियाई पठार है।

कैलिफोर्निया विधानमंडल की दिवाली पर सरकारी छुट्टी को हां, विधेयक पारित

एजेंसी

सैक्रामेंटो (कैलिफोर्निया) अमेरिका। कैलिफोर्निया विधानमंडल ने पिछले हफ्ते दिवाली पर सरकारी छुट्टी घोषित करने वाले विधेयक-268 को पारित कर दिया। गर्वनर के इस पर हस्ताक्षर होते ही दिवाली को राज्य की आधिकारिक अवकाश सूची में शामिल कर लिया जाएगा। इस तरह पेंसिल्वेनिया और कनेक्टिकट के बाद कैलिफोर्निया दिवाली पर आधिकारिक अवकाश घोषित करने वाला तीसरा राज्य बन सकता है। लॉस एंजिल्स टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, यह विधेयक सामुदायिक कॉलेजों और पब्लिक स्कूलों को दिवाली पर बंद रखने का अधिकार देगा। राज्य के कर्मचारियों को दिवाली के दिन छुट्टी लेने का विकल्प दिया जाएगा। प्रस्तावित कानून के तहत कुछ सामुदायिक कॉलेजों और पब्लिक स्कूलों के कर्मचारियों को वेतन सहित

छुट्टी दी जाएगी। कैलिफोर्निया में अभी 11 राजकीय अवकाश हैं। इनमें मार्टिन लूथर किंग जूनियर दिवस, सीज़र शावेज दिवस, श्रम दिवस और पूर्व सैनिक दिवस शामिल हैं। इस विधेयक को कानूनी रूप देने के लिए गवर्नर गेविन न्यूसम को 12 अक्टूबर से पहले हस्ताक्षर करने होंगे। विधेयक पेश करने वाले विधानसभा सदस्य ऐश कालरा (डेमोक्रेट-सैन जोस) ने कहा, दिवाली को आधिकारिक राजकीय अवकाश घोषित करने से न केवल इस त्यौहार के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को मान्यता मिलेगी, बल्कि इससे प्रवासी भारतीयों और अन्य देशों के लोगों को दुनिया के सबसे पुराने धार्मिक त्योहारों में से एक में भाग लेने का बेहतर अवसर मिलेगा। स्मिथसोनियन नेशनल म्यूजियम ऑफ एशियन आर्ट के अनुसार, दिवाली पांच दिन तक मनाई जाती है। यह त्यौहार पारंपरिक रूप से अक्टूबर या नवंबर में भारत में मनाया जाता। विदेश में रहने वाले भारतीय भी दिवाली को जोर-शोर से मनाते हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के अनुसार, लोग घरों, व्यवसाय स्थलों, मंदिरों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर दीयों को प्रज्ज्वलित कर मां लक्ष्मी को आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित करते हैं। दीपोत्सव में परिवार, दोस्तों और समुदाय के अन्य लोगों से मिलना और उपहारों या मिठाइयों का आदान-प्रदान भी होता है।

नाइजीरियाई सेना ने बोर्नो और आदामावा में 11 आईएसडब्ल्यूएपी आतंकियों को ढेर किया

एजेंसी

माइडुगुरी (नाइजीरिया)। नाइजीरियाई सेना ने उत्तर-पूर्वी राज्यों बोर्नो और आदामावा में चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रॉविन्स के कम से कम 11 आतंकियों को मार गिराया। सेना ने यह जानकारी दी। संयुक्त कार्यबल के बयान के अनुसार, पहली मुठभेड़ 15 सितंबर को बोर्नो राज्य के बगा-क्रॉस कौवा रोड पर गारिन गीवा इलाके में हुई।

गश्ती दल पर घात लगाकर हमला करने वाले आतंकियों ने पहले आईईडी विस्फोट किया और फिर गोलीबारी शुरू की। जवाबी कार्रवाई में सैनिकों ने आठ आतंकियों को ढेर किया, जिनमें दो वरिष्ठ कमांडर भी शामिल थे। मौके से 14 मोटरसाइकिल, असॉल्ट राइफलें, भारी मात्रा में गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद हुई।

दूसरी कार्रवाई आदमावा राज्य के मडागली जिले के उम्बो गांव में स्थानीय सतर्क बलों और शिकारी दस्तों की मदद से की गई। इसमें तीन आतंकी मारे गए और उनके पास से हथियार व संचार उपकरण बरामद हुए। सेना ने बताया कि इन अभियानों में किसी भी सैनिक को कोई नुकसान नहीं हुआ। बयान में कहा गया कि ये कार्रवाई आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने और हिंसा प्रभावित समुदायों में शांति बहाल करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। गौरतलब है कि नाइजीरिया पिछले एक दशक से बोको हराम और उसके अलग हुए गुट ISWAP से जूझ रहा है। इस संघर्ष में अब तक दसियों हज़ार लोग मारे जा चुके हैं और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर दी जन्मदिन की बधाई

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर फोन कर बधाई दी। साथ ही रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष को समाप्त करने में सहयोग के लिए आभार जताया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रुथ सोशल पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी शानदार काम कर रहे हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, अभी-अभी मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक शानदार फोन कॉल हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं! वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। नरेन्द्र रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को समाप्त करने में आपके सहयोग के लिए धन्यवाद! राष्ट्रपति डीजेटी। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन कॉल के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वह भी अमेरिकी नेता की तरह भारत-अमेरिका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी

तरह प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप को मेरा मित्र संबोधित किया। मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए उनकी पहल का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति ट्रंप मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। आपकी तरह, मैं भी भारत-अमेरिका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं।

रूस और बेलारूस की सेनाओं का संयुक्त युद्धाभ्यास

एजेंसी

मिन्सक। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने घोषणा की है कि रूस और बेलारूस की सेनाएं संयुक्त युद्धाभ्यास के तौर पर रूसी सामरिक परमाणु हथियारों के लॉन्च का अभ्यास कर रही हैं। बेलारूस की सरकारी समाचार एजेंसी बेल्टा के अनुसार, देश के चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया है कि इन अभ्यासों में रूस का ओरेश्निक हाइपरसोनिक मिसाइल भी शामिल है, जिसका पिछले साल यूक्रेन के साथ युद्ध में परीक्षण किया गया था। गौरतलब है कि रूस और बेलारूस पांच दिनों के युद्ध अभ्यास जापाद (पश्चिम) में शामिल हैं। यह युद्धाभ्यास युद्ध में उनकी तत्परता का परीक्षण करने के लिए है। हालांकि यह आसपास के कुछ देशों को चिंतित कर रहा है। इस बीच पश्चिमी सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि ये यूरोप को डराने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये ऐसे समय में हुए हैं जब पोलैंड और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन नाटो बलों ने पोलैंड की आकाशीय सीमा में घुसपैठ करने वाले रूसी ड्रोन को मार गिराया है। पोलैंड ने एहतियात के तौर पर बेलारूस के साथ अपनी सीमा को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। इस बीच लुकाशेंको के मुताबिक यह केवल स्वाभाविक था कि रूसी सामरिक परमाणु हथियार जापाद अभ्यास का हिस्सा बने। उन्होंने कहा हम वहां हर तरह का अभ्यास कर रहे हैं। वे पश्चिमी देश यह जानते हैं, हम इसे छुपा नहीं रहे हैं। पारंपरिक छोटे हथियारों से लेकर परमाणु हथियार तक अभ्यास में शामिल हैं। फिर हमें यह सब करने में सक्षम होना चाहिए। नहीं तो वे बेलारूस के क्षेत्र में क्यों होंगे? हालांकि उन्होंने यह भी कहा लेकिन हम बिल्कुल भी किसी को धमकी देने की योजना नहीं बना रहे हैं। बेलारूस के रक्षा मंत्रालय ने भी पुष्टि की है कि रूसी

मध्यम दूरी वाले ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल की तैनाती के साथ अभ्यास किया गया था, जिसे रूस ने पिछले साल 21 नवंबर को यूक्रेन पर पहली बार दागा था। गौरतलब है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले साल के अंत में कहा था कि रूस 2025 की दूसरी छमाही में बेलारूस के क्षेत्र में ओरेश्निक तैनात कर सकता है। बेलारूस रूस का करीबी सहयोगी है और यूक्रेन और रूस के साथ नाटो सदस्य देशों पोलैंड, लिथुआनिया और लातविया की सीमा साझा करता है। साथ ही वह रूसी सामरिक परमाणु हथियारों का महत्वपूर्ण ठिकाना भी है, जिसका नियंत्रण और कमांड रूस में मॉस्को से निर्धारित होता है।

महासभा की चर्चा के केंद्र में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार : गुटेरेस

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार अब महासभा में चर्चा के केंद्र में है और सुधार प्रक्रिया में कुछ प्रगति हुई है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) का जिक्र करते हुए कहा, 'पहले एक समिति थी, जो दस्तावेज जारी नहीं कर पाती थी और दस्तावेज एक साल से दूसरे साल तक आगे नहीं बढ़ पाते थे। अब एक समिति गंभीरता से काम कर रही है। मुझे लगता है कि इसमें प्रगति हो रही है।' हालांकि, आईजीएन उस 'निगोशिएटिंग टेक्स्ट' को अपनाने में विफल रहा है, जिसे भारत ने चर्चा का आधार बनाने की मांग की थी, फिर भी इसके सह-अध्यक्षों ने 'एलिमेंट पेपर्स' तैयार किए हैं, जिनमें सुधारों पर विभिन्न देशों की स्थिति, मतभेद और कन्वर्जेंस के बिंदुओं को व्यापक रूप से प्रस्तुत किया गया है और एक रिकॉर्ड बनाया गया है। गुटेरेस ने कहा, 'परिषद की वैधता और दक्षता इसके

वर्तमान ढांचे से प्रभावित होती है।' उन्होंने कहा, 'सुरक्षा परिषद की संरचना आज की दुनिया नहीं, बल्कि 1945 की दुनिया के अनुरूप है। इससे न केवल वैधता की समस्या पैदा होती है, बल्कि दक्षता की भी समस्या पैदा होती है।' गुटेरेस ने परिषद सुधारों में बढ़ती रुचि का कुछ श्रेय लिया और कहा, 'यह अतीत में पूरी तरह से वर्जित था। एक बात मैं आपको बता सकता हूं कि मेरा मानना है कि मैं पहला महासचिव हूं, जो हर समय सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता के बारे में बात करता है।' उन्होंने कहा,'कई देशों ने, उदाहरण के लिए पी5 (पांच स्थायी सदस्यों) ने भी, स्वीकार किया है कि अफ्रीका को एक स्थायी सदस्य होने का अधिकार होना चाहिए। एक अन्य सुधार की आवश्यकता है, स्थायी सदस्यों की वीटो शक्तियों पर अंकुश लगाना।' उन्होंने कहा, 'सच्चाई यह है कि यह विषय (परिषद सुधार) जो पहले पूरी तरह से वर्जित था, अब महासभा की चर्चाओं के केंद्र में है। फ्रांस और ब्रिटेन की ओर से वीटो के अधिकार को सीमित करने के प्रस्ताव आए थे, खासकर ऐसे हालात में जब मानवाधिकारों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन हो रहा हो या इस तरह के मामले सामने आ रहे हों। मैं इस प्रस्ताव को सहानुभूति के साथ देखता हूं।' उन्होंने कई संघर्षों को सुलझाने में संयुक्त राष्ट्र की विफलता के लिए भू-राजनीति और स्थायी सदस्यों के दंड से मुक्त होकर काम करने के कारण परिषद की निष्क्रियता को जिम्मेदार ठहराया।

एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने चार्ली कर्क हत्या मामले की जांच पर उठे सवालों को किया खारिज

एजेंसी

वॉशिंगटन। एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने सीनेट न्यायिक समिति के सामने पेश होकर अपने कार्यकाल का बचाव किया और चार्ली कर्क की हत्या की जांच को लेकर उठे सवालों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि एफबीआई ने हिंसक अपराधों पर कार्रवाई तेज की है और अवैध हथियारों की जब्ती बढ़ी है। पटेल विवादों में तब आए जब उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया कि कर्क का हत्यारा गिरफ्तार हो चुका है, जबकि वास्तविक आरोपित टायलर रॉबिन्सन (22) की गिरफ्तारी अगले दिन हुई। सीनेटर डिक डर्बिन ने इस चूक को एफबीआई की साख को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पटेल का बचाव किया है, लेकिन एजेंसी से निकाले गए कई वरिष्ठ अधिकारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें केवल ट्रंप के प्रति कम वफादार होने के कारण हटाया गया। तीन पूर्व अधिकारियों ने इस संबंध में मुकदमा भी दायर किया है। सुनवाई में जेफरी एप्सटीन मामले को लेकर भी सवाल उठे। पटेल ने कहा कि शुरुआती फ्लोरिडा जांच में अभियोजकों ने जानबूझकर दायरा सीमित रखा था।

बचाव पक्ष का तर्क- हसीना ने बांग्लादेश में बीडीआर विद्रोह को कुशलतापूर्वक संभाला

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में जुलाई विद्रोह से संबंधित मानवता के विरुद्ध अपराध के मामले में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 में जिरह के दौरान बचाव पक्ष के वकील अमीर हुसैन ने तर्क दिया कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बीडीआर विद्रोह को कुशलतापूर्वक संभाला और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ मुकदमा सुनिश्चित किया। शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल का प्रतिनिधित्व कर रहे सरकारी बचाव पक्ष के वकील ने आरोप लगाया कि अमर देश के संपादक महमूदुर रहमान ने पूर्व प्रधानमंत्री और शेख फजले नूर तपोश को 2009 के बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) विद्रोह और नरसंहार में व्यक्तिगत प्रतिशोध के कारण फंसाया था। द डेली स्टार के

अनुसार सरकारी वकील हुसैन ने महमूदुर के इस दावे को खारिज कर दिया कि हसीना ने सेना के प्रति नाराजगी जताई और उसे कमजोर किया। उन्होंने कहा कि हसीना ने सेना को मजबूत किया। इस दौरान महमूदुर ने जवाब दिया, यह सच नहीं है। इससे पहले महमूदुर ने सोमवार को इस न्यायाधिकरण में अभियोजन पक्ष के 46वें गवाह के रूप में अपने बयान दर्ज कराए। पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून भी इस मामले में आरोपित हैं। वह अब सरकारी गवाह बन गए हैं। गवाह महमूदुर ने बयानों में आरोप लगाया कि पदभार ग्रहण करने के बाद हसीना का पहला कदम सेना को कमजोर करना था। बीडीआर नरसंहार उनके कार्यकाल के दो महीने के भीतर ही रचा गया। इसमें शेख परिवार के सदस्यों विशेष रूप से पूर्व सांसद तपोश की संलिप्तता थी। बचाव पक्ष के वकील ने यह भी कहा कि महमूदुर का हसीना की तुलना हिटलर से करना उचित नहीं। गवाही पूरी होने के बाद महमूदुर ने अदालत कक्ष के बाहर कहा, शेख हसीना भी हिटलर का एक छोटा संस्करण थीं। उनके पास हिटलर जितनी शक्ति नहीं थी, फिर भी मानसिकता में वे उससे आगे थीं। यहां तक कि हिटलर ने भी हत्याओं के बाद शवों को गायब करने का आदेश नहीं दिया था।

इजराइल का गाजा में बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू, हमलों में 41 लोगों की मौत

एजेंसी

गाजा पट्टी। इजराइल ने गाजा में आतंकवादी समूह हमास के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू किया है। इन हमलों में 41 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। गाजा शहर पर धीरे-धीरे नियंत्रण के साथ आगे बढ़ रही इजराइली सेना ने निवासियों से अन्यत्र चले जाने का आह्वान किया है।

गाजा के अस्पतालों के अधिकारियों ने कहा कि रातभर हुए इजराइली हमलों में गाजा शहर में 37 मध्य गाजा में चार लोग मारे गए हैं। भ्रष्टाचार के मुकदमे का सामना कर रहे नेतन्याहू ने अदालत में अपना पक्ष रखने के दौरान कहा कि हमने कल गाजा में अब तक का सबसे बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू किया है। सुरक्षा बल महत्वपूर्ण चरण पर पहुंच गए हैं। इसके परिणाम सुखद होंगे इजराइली सेना ने निवासियों से गाजा शहर खाली करने का आह्वान करते हुए कहा कि वह इस एन्क्लेव के सबसे बड़े शहरी केंद्र में हमास के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर रही है। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के अरबी प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने एक्स पर कहा, गाजा शहर को एक खतरनाक युद्ध क्षेत्र माना जाता है। इस क्षेत्र में रहना आपको जोखिम में डालता है। आईडीएफ ने निवासियों को वाहन या पैदल अल-रशीद स्ट्रीट से होते हुए गाजा शहर के दक्षिण की ओर जितनी जल्दी हो सके जाने का निर्देश दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने पिछले महीने चेतावनी दी थी कि गाजा शहर पर इजराइल के आक्रमण का मतलब वहां रहने वाले लगभग 10 लाख फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापित होने का खतरा होगा। इस बीच नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के एक सम्मेलन के दौरान मध्य यरुशलम में दर्जनों प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए और गाजा में बंधकों की रिहाई और युद्ध समाप्त करने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे इजराइली लोकतंत्र समर्थक आंदोलन ने कहा कि लड़ाई बढ़ने से और अधिक बंधकों की मौत होगी। गाजा पर कब्जा करने से जीवित बंधकों की हत्या हो जाएगी और मृतक लापता हो जाएंगे। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डैनियल मेरोन का कहना है कि गाजा में इजराइल के उद्देश्य स्पष्ट हैं। इजराइल गाजा में अपने अभियान के साथ आगे बढ़ रहा है और उसके उद्देश्य स्पष्ट हैं।

स्पेन के प्रधानमंत्री ने इज़रायल को अंतरराष्ट्रीय खेलों से प्रतिबंधित करने का किया आह्वान

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने गाजा में इज़रायल की गतिविधियों के कारण उसे अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं से बाहर करने का आह्वान किया है। उन्होंने अपनी सोशलिस्ट वर्कर्स पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों से कहा, इज़रायल अपने गलत कार्यों पर पर्दा डालने के लिए किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच का इस्तेमाल नहीं कर सकता। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने रविवार को कहा कि 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के लिए इज़रायल के साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए जैसा रूस के साथ किया गया है। इज़रायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने स्पेन के प्रधानमंत्री को 'शर्मनाक' करार दिया और उन पर मैड्रिड में फ़िलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों को भड़काने का आरोप लगाया, जिसके कारण वुएल्टा-ए-स्पेना साइकिल रेस का अंतिम चरण रद्द कर दिया गया, जिसमें एक इज़रायली टीम प्रतिस्पर्धा कर रही थी। इससे पहले सांचेज़ ने कहा था कि तीन हफ़्ते तक चली इस रेस के दौरान हुये पिछले विरोध प्रदर्शनों ने दिखाया है कि स्पेन गाजा मुद्दे पर 'गर्व' के साथ एक मिसाल कायम करता है। स्पेन के कई मंत्रियों ने भी अंतिम चरण के विरोध प्रदर्शन की प्रशंसा की, जिसमें आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार लगभग एक लाख लोग शामिल हुये थे।

इजराइली सुरक्षा बल गाजा शहर में बरपा रहे कहर, हमास के ठिकानों में भीषण बमबारी

एजेंसी

गाजा पट्टी। इज़राइली सेना ने गाजा शहर में जमीनी हमला और तेज कर दिया। इजराइल सुरक्षा बलों (आईडीएफ) की दो डिवीजन ने शहर में कहर बरपा दिया है। हमास के ठिकानों में भीषण बमबारी की जा रही है। इस अभियान में एक-दो दिन में तीसरी डिवीजन के भी साथ आने की उम्मीद है। इस दौरान 3,00,000 (तीन लाख) लोग गाजा शहर छोड़ चुके हैं। अनुमान है कि शहर में अभी भी 7,00,000 (सात लाख) नागरिक हैं। अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल-गाजा सीमा से ली गई तस्वीरों में गाजा शहर के ऊपर धुएं का गुबार दिखा।इस बीच इजराइल के विदेशमंत्री गिदोन सा'आर ने एक पत्र में यूरोपीय संघ के साथ इजराइल के समझौते में व्यापार संबंधी प्रावधानों को निलंबित करने के यूरोपीय आयोग के प्रस्ताव को अनुपातहीन बताया।

यूरोपीय संघ के आयुक्तों के समूह ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के इस प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए एक बैठक आहूत की है। लेयेन ने व्यापार संबंधी प्रावधानों को निलंबित करके इजराइल पर राजनीतिक दबाव डालने का प्रस्ताव किया है। सा'आर ने पत्र में कहा, यह अभूतपूर्व प्रस्ताव, जिसे पहले कभी किसी अन्य देश के खिलाफ लागू नहीं किया गया, इजराइल को नुकसान पहुंचाने का स्पष्ट प्रयास है, जबकि हम अभी भी सात अक्टूबर के आतंकवादी हमले के बाद थोपे गए युद्ध से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इजराइल संप्रभु राष्ट्र है और जब तक इजराइल की सुरक्षा दांव पर है, हम धमकियों के आगे नहीं झुकेंगे। इस प्रस्ताव पर अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट रूप

से कहा है कि इस तरह की पहल हमास को मजबूत करती है। आईडीएफ ने कहा कि लगभग 3,00,000 लोग गाजा शहर छोड़ चुके हैं। अनुमान है कि शहर में अभी भी 7,00,000 नागरिक हैं । उधर, बंधक और लापता परिवार फोरम मुख्यालय ने विज्ञप्ति में कहा कि बंधक परिवार प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के यरुशलम स्थित आवास के बाहर डेरा डालेंगे। इस दौरान प्रदर्शन किया जाएगा। इन परिवारों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का उनके समर्थन के लिए आभार जताते हुए नेतन्याहू से समझौता कराने और युद्ध समाप्त करवाने का आग्रह किया है। विज्ञप्ति में कहा गया है, हमारे प्रधानमंत्री नेतन्याहू बंधकों को बचाने और इस युद्ध को समाप्त करने की हमारी पुकार नहीं सुन रहे हैं लेकिन वह आपकी बात सुनेंगे! उन्हें एक ऐसे समझौते के लिए बातचीत की मेज पर लाएं जिससे सभी वापस आ सकें! आईडीएफ प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने एक ब्रीफिंग के दौरान में कहा, हमारा अनुमान है कि गाजा शहर पर नियंत्रण पाने में कुछ महीने लगेंगे और शहर को बुनियादी ढांचे से मुक्त करने में कुछ और महीने या उससे भी अधिक समय लगेका। उन्होंने कहा कि मंगलवार रात को सुरक्षा बलों ने गाजा शहर में जमीनी हमला तेज कर दिया। डेफ्रिन ने कहा, वायु, थल और खुफिया बल गाजा शहर में संयुक्त रूप से हमास के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ को यकीन है कि मंगलवार सुबह तक 370,000 से अधिक फिलिस्तीनी गाजा शहर से पलायन कर चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, पिछले एक महीने में लगभग 220,000 फिलिस्तीनी उत्तरी गाजा से पलायन कर चुके हैं।

शरीर के 7 चक्र क्या हैं और सेहत पर उनका क्या असर पड़ता है?

ऐसा माना जाता है कि अगर ये चक्र सुसुप्त यानी सो रहे हैं तो आपका जीवन भी नीरस है। इसलिए परम आनंद के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए इनको जागृत करना बहुत जरूरी है। जागृत होने के बाद ये चक्र शरीर के साथ मन और आत्मा को किस तरह प्रभावित करते हैं, इसके बारे में इस लेख में हम विस्तार से बात करते हैं।

क्या हैं चक्र

चक्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ पहिया होता है। ये शरीर के अंदर स्थित वे बिंदु हैं, जिनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है, ये सात प्रकार के होते हैं। ये विभिन्न अंगों तथा मन एवं बुद्धि के कार्य को सूक्ष्म-ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति की सूक्ष्मदेह से संबंधित होते हैं। इनको कुंडलिनी चक्र भी कहा जाता है।

मूलाधार चक्र

यह गुदा और लिंग के बीच चार पंखुड़ियों वाला आधार चक्र है। प्राणायाम करके, अपना ध्यान मूलाधार चक्र पर केंद्रित करके मंत्र का उच्चारण करने से यह जागृत होता है। इसका मूल मंत्र 'लं' है। धीरे-धीरे जब यह चक्र जागृत होता है तो व्यक्ति में लालच खत्म हो जाता है और व्यक्ति को आत्मीय ज्ञान प्राप्त होने लगता है। यह लालच को समाप्त करता है।

स्वाधिष्ठान चक्र

मूलाधार चक्र के ऊपर और नाभि के नीचे स्थित होता है, स्वाधिष्ठान चक्र, इसका संबंध जल तत्व से होता है। इस चक्र के जागृत हो जाने पर शारीरिक समस्या और विकार, क्रूरता, आलस्य, अविश्वास आदि दुर्गुणों का नाश होता है। शरीर में कोई भी विकार जल तत्व के ठीक न होने से होता है। इसका मूल मंत्र 'वं' है।

मणिपूर चक्र

यह नाभि से ऊपर होता है। यौगिक क्रियाओं से कुंडलिनी जागरण करने वाले साधक जब ऊर्जा मणिपूर चक्र में जुटा लेते हैं, तो वो कर्मयोगी बन जाते हैं। यह प्रसुप्त पड़ा रहे तो लालच, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय से मन प्रभावित होता है। इसके जागृत होने से ये विकृतियां समाप्त हो जाती हैं।

अनाहत चक्र

यह चक्र व्यक्ति के सीने में रहता है। इसको जागृत करने हृदय पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'यं' का उच्चारण करना चाहिए। यह जागृत होते ही बहुत सिद्धियां प्राप्त होती है। यह सोता रहे तो कपट, तनाव, अहं यानी मोह और अहंकार से मनुष्य भरा रहता है।

विशुद्ध चक्र

यह चक्र गले में रहता है। इसे जागृत करने के लिए व्यक्ति को कंठ पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'हं' का उच्चारण करना चहिए। इसके जागृत होने से व्यक्ति अपनी वाणी को सिद्ध कर सकता है। इस चक्र के जागृत होने से संगीत विद्या सिद्ध होती है, मस्तिष्क अधिक क्रियाशील हो जाता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर हो जाती है।

सहस्रार चक्र

सहस्रार चक्र व्यक्ति के मष्तिष्क के मध्य भाग में होता है। बहुत कम लोग होते हैं जो इसको जागृत कर पाते हैं, चूंकि इसे जाग्रत करना बहुत मुश्किल काम है। इसको जाग्रत कर व्यक्ति परमानंद प्राप्त करता है और सुख-दुःख का उस पर असर नहीं होता है।

आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र भ्रू मध्य अर्थात दोनों आंखों के बीच में केंद्रित होता है। इस चक्र को जागृत करने के लिए व्यक्ति को मंत्र '' का जाप करना चाहिए। इसके जाग्रत होने से इंसान को आत्म ज्ञान प्राप्त होता है।

रेसिपी

ब्लैक करंट शीर

सामग्री

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवई: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप ■ दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून ■ इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

विधि

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रूट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

दही पराठा

सामग्री

■ आटा: 2 कप ■ दही: 1 कप ■ पुदीना: एक मुट्ठी ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून ■ धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी ■ घी: 1/2 कटोरी ■ 1 प्याज, बारीक कटा ■ अजवाइन: 1/4 टीस्पून ■ 3 हरी मिर्च बारीक काटी ■ 1/2 छोटी कटोरी दाल ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ पराठा सेंकने के लिए तेल ■ जरूरत के अनुसार पानी

विधि

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 2590

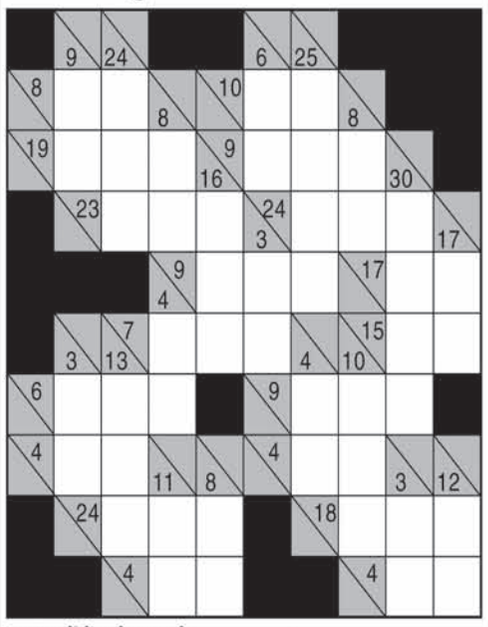

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2589 का हल

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी नेता सभा के पश्चात अपनी प्रेमिका पर बरस पड़े - तुमने मुझे इतना लंबा भाषण क्यों लिखाकर दिया था? भाषण के बीच कई बार तो बहुत हूटिंग हुई.

प्रेमिका ने माफी मांगते हुए कहा - भाषण ज्यादा नहीं था. हां.. इतनी गलती मुझसे जरूर हो गई कि मैंने भाषण की चारों कापियां तुम्हें थमा दी थी.

☺ ☺ ☺

पागलखाने का दौरा करने आये मंत्री जी से पागलो का परिचय कराते हुए निरीक्षक ने कहा - ये है उमेश, यह सुरेश और यह है बेचारा मुकेश.

मंत्री जी ने बीच में ही टोक कर पूछा - बेचारा मुकेश, तुमने इसे बेचारा क्यों कहा?

निरीक्षक ने मुंह बिचका कर जवाब दिया- दरअसल साहब यह अकेला ऐसा व्यक्ति है, जो विवाह से पहले ही पागल हो गया.

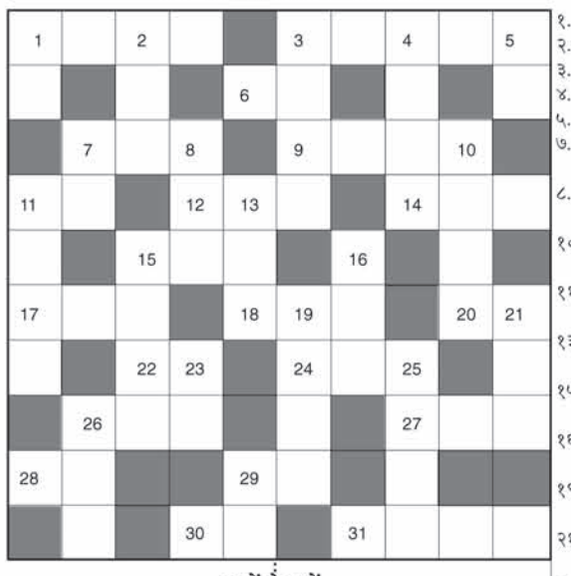

☺ ☺ ☺

वकील - जब इन दोनों पति-पत्नी में लड़ाई हो रही थी, तो क्या तुम वहां मौजूद थे?

गवाह - जी हां.

वकील - तो तुम्हें कुछ कहना है?

गवाह - यही कि मैं कभी शादी नहीं करुंगा

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2590

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्वाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2589

सूडोकु -2590

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2589 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 2590

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -2589 का हल